









Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is dense and appears to be a continuous passage, possibly a chapter or a section of a larger work. The script is in an older form, and the ink is dark on a light background. The text is arranged in approximately 12 horizontal lines, with some variations in line length and spacing. The overall appearance is that of an aged, handwritten document.



तिनमद्वैतवै॥ तिनमदतये॥॥  
 तिसीमद्वैतमद्वैतमद्वैतमद्वैत  
 यीमद्वैतमद्वैतमद्वैतमद्वैत  
 मद्वैतमद्वैतमद्वैतमद्वैत  
 द्वावैतमद्वैतमद्वैतमद्वैत  
 वेद्वैतमद्वैतमद्वैतमद्वैत  
 द्वैतमद्वैतमद्वैतमद्वैत  
 पद्वैतमद्वैतमद्वैतमद्वैत  
 पद्वैतमद्वैतमद्वैतमद्वैत  
 द्वैतमद्वैतमद्वैतमद्वैत  
 यद्वैतमद्वैतमद्वैतमद्वैत

द.  
 म.  
 ०



भभेनमिकायं। नगरि यद्गुपेः। यत उधु  
येः॥ निरुते प्र॥ यदुति उलनि। विरुलि।  
रुयं॥ भरी वयं॥ नः वरुः॥ पद्गुमि॥  
प्रतिमुनयेः॥ नः कुरुः॥ गालि नरुः॥ वि  
मुपमु॥ न व पट्टे॥ उव वरुयेः॥ मित्रु  
मित्रु॥ नः कुरुः॥ उत कुरुवेः॥ नडिल उयेः॥  
प्रपिः पदयेः॥ उिल उवेरु मेभन वभ॥  
रुमय यनभः॥ मेभभर डि यत मि र मेभु  
न॥ निरुन डि वेरुः मिप येव यल॥ भनः  
पद्गुमि क वय यरुभ॥ नत लि विमु  
न वे व न इ हं व वल॥ मित्रु न डि उट्टिः  
मुभु यल॥ उहं प्रमुभु हं नभः॥॥॥



त्रिंशोऽल्लनीहं नमः॥ त्रिंशोऽभयुभहं नमः॥  
 त्रिंशोऽचनभिकहं नमः॥ त्रिंशोऽकनिष्ठक  
 हं नमः॥ त्रिंशोऽकरउलपधुहं नमः॥ त्रिं  
 शोऽहृदययनमः॥ त्रिंशोऽमिरमेषुहं॥ त्रिं  
 शोऽमिणयेवधल॥ त्रिंशोऽकवमायहं॥  
 त्रिंशोऽनरहं विधल॥ त्रिंशोऽसुभयहं॥  
 त्रिंशोऽमीगं गीगपउयनमः॥ त्रिंशोऽमी  
 कांकीकाइपालयनमः॥ त्रिंशोऽमीडीहं  
 मङ्गयभदिषायनमः॥ त्रिंशोऽमीवनमः॥ त्रिं  
 शोऽयमिंदयनमः॥ त्रिंशोऽमीमभसुगुहं  
 पादकहं नमः॥ त्रिंशोऽगपलः॥ त्रिंशोऽग  
 रवेनमः॥ परमगुगवेनमः॥ परमगुगदय



नमः॥ परमेश्वर नमः॥ सुदिभिर्दुष्टे  
नमः॥ ॐ तिष्ठति ॥ तिष्ठतीं मी विष्णवे  
नमः॥ तिष्ठतीं मी वैष्णवे नमः॥ तिष्ठतीं मी  
रुद्राय नमः॥ तिष्ठतीं मी रुद्राय नमः॥  
तिष्ठतीं नमः॥ तिष्ठतीं नमः॥ ॐ ति  
मिष्ठति ॥ तिष्ठतीं मी ५ पुत्रः॥ तिष्ठतीं मी ऊ  
भदे नमः॥ तिष्ठतीं मी लक्ष्मणे नमः॥ तिष्ठतीं  
मी वरुणे नमः॥ ॐ इति ॥ तिष्ठतीं मी म  
दिक्कये नमः॥ तिष्ठतीं मी मभः ॥ इत्येन  
मः॥ तिष्ठतीं मी भद्रलक्ष्मणे नमः॥ ॐ तिष्ठ  
तिष्ठति ॥ ॐ तिष्ठति ॥ तिष्ठतीं मी  
मभः ॥ तिष्ठतीं मी मभः ॥ ॐ तिष्ठति



मः॥ तिह्रीं मीमः नमो गवति मदन नो  
 यदिक दयनि नमः॥ ॐ तिभुल इयम  
 ति नमः पिसिउ मिनिकि कि कि रि  
 मुलप द्वाद मुमिं क द्वाद पदे दि सु  
 ग द्वाद ग द्वाद लि प्र एंग द्वाद द्वाद म च मि  
 दिं ऊर ऊर॥ तिह्रीं मीमः दिक ये नमः॥  
 ॐ द व नमः॥ तिह्रीं मीमः विवृ व मि त्र  
 नमः॥ तिह्रीं मीमः ऊर द्वाद क ये नमः॥ ति  
 ह्रीं मीमः उ द्वाद नमः॥ तिह्रीं मीमः क भे दे न  
 मः॥ तिह्रीं मीमः ठी भ ये नमः॥ तिह्रीं मी  
 ह भे दे नमः॥ ॐ द व नमः॥ तिह्रीं मी  
 य भे दे नमः॥ ॐ द व नमः॥ तिह्रीं मी  
 य भे दे नमः॥ ॐ द व नमः॥ तिह्रीं मी

मः  
 नमः  
 ३



ॐ प्रपंक ॥ दीपंक ॥ प्रपंक ॥  
द ॥ मुद नमः ॥ विह्वीमीमहि केमभ  
द ॥ पति के इ पाल मदि उरलिग  
द ॥ मज ॥ नमः ॥ विन मेम मल प  
॥ ये के इ पाल यनमः ॥ उति प्र ए विण  
नमः ॥ विमनेन विणि न य मु प्र ए य द उ  
व मे य उ ॥ उ मे मे वृ ॥ उ प्र उ वि उ ग उ  
म द द न म ॥ प ने न विणि न य मु वि दी ने  
प्र मु के प उ ॥ उ मृ ए प्रे क वे दृ म भ ग द म  
दि उ य व ॥ म द उ वि प्र लं मि हिं म द उ  
वि प्र ले न म ॥ यि ए प उ मृ व हिः मृ दू मे  
र प्रे डि नि द मः ॥ प्र मु के म प्र म डि क भ ने न



विणिनत्तयेडा॥ मवक्कभानवप्रेडिन  
 मूवमनेयवत्तः मकल्यः चट्टादे  
 मवत्ताणप्रमभनरुद्धावपपडिदुध  
 उद्धपदुद्धमदिदुधपपडिउधुवियेग  
 गदिदुधमदुधमभुनल्लेउयेय  
 मयदसिक्कएवत्तवमदभागीमभ  
 दुवमपेपभनेदुडिप्रमभनमवपापक  
 यणनणत्तमडदिप्रभिमकलविप्रक  
 यकल्लिदुडिजलानदुधमदुध  
 पीदुधमप्रमडिकमभापडपडिमव  
 मकल्लविभक्तिमुठमडिमीदुजशीडि  
 कमेमकल्लुयप्रगत्तुजउभावलिः

म.  
 भा.  
 ८



भुदउतयः॥७८॥ गृहमावालिठविउभन  
गिहउतयेवीभानुनमनंयेवीभेष्ट॥  
नवलभनुभंभदिउनकवमेकीलक  
नलरनभुभदिउनभुद्रुगयषा  
कलेमउदुभनभुद्रुवभुदेवीभे  
ष्टभुदेवसकवारं॥७९॥ भिभुभंभुपन  
यद्रुपनविभेननगदेभिभवे  
धभनलानेनिलभदिभवमादुभ  
लेवयलभ॥८०॥ निहंहीरभभऊगम  
यडिभकलेभुद्रुमहुरपुंभनभु  
यद्रुयदकिभउदलदरुदकली  
मकली॥८१॥ सिधभुमीदेवीकवमभुव



कृष्णधर्मकृष्णैव ॥ मन्त्रीपरमेश्वरी  
 वडा ॥ मन्त्रधर्मकृष्णैव ॥ मन्त्रकर्मभक्त  
 पञ्चविनियोगः ॥ श्रीमन्नीकडवाम ॥  
 यद्गुरुपरमेश्वरकर्मचरकर्मचर ॥ म  
 यत्रकर्ममिमांसा ॥ उड्डेवदिपिडम  
 न ॥ श्रीवृद्धवाम ॥ मन्त्रिगुरुभविप्रम  
 चक्रुडपकरकर्म ॥ मन्त्रभुक्तवमं ॥  
 उड्डेवधुमभमने ॥ रवभमेलरीति  
 द्वितीयवृद्धवामिनी ॥ द्वितीयवृद्ध  
 उड्डेवधुमभमने ॥ मन्त्रभुक्तवमं ॥  
 मन्त्रभुक्तवमं ॥ मन्त्रभुक्तवमं ॥  
 कलगीतिभमगीतिमधुमभा ॥

५०  
 भा.  
 ५



नवमंभिदिदशीतिनवदत्तः प्रकीर्तितः ॥  
एतन्निगृह्य नभानिबद्धं कविता नि  
वे ॥ सुप्रिनामद्वयभारये मद्रुमपृगडार  
॥ विषमं नृजममैव कथादुःसरं  
गताः ॥ नउं पं एयउं किस्मिन्मुठं ॥  
मकुटं ॥ येभुठकृभुडउं नउं पं वद्विः  
प्र एयउं ॥ वपउं उं पुपपृभिमिकदः ॥  
एकयद्वगीभा ॥ येदं भुगतिद्वमिडाव  
द्वभिनमं मयः ॥ एउं मं भुडमभउं वा  
गदीभदिधभन ॥ एद्वीगलमभा  
ककं भगीमिपिवादन ॥ वद्वीदं मा  
मभाद्ववेद्वीगद्वभन ॥ सुउवरु



५८ लसममल गपम मर के उ म मे व

मं.  
मं.

ॐ देवीं सुगीत धवदन ॥ ५८ ॥ भउरः  
 भवाः भवउ भमत्रिउः ॥ न न ठ र ॥ मे  
 क दू न न व भू प मे ठिउः ॥ ५९ ॥ सुउ र व भ  
 क दू न न व भू प मे ठिउः ॥ ६० ॥ म दू म र ग दं  
 मे व प र मं प म भ व य ॥ ६१ ॥ उ उ यु पं य म  
 किं य म दू य म म रं उ व ॥ ६२ ॥ प दू य म दू रि  
 सु ले म प दि भं भ दू रं उ व ॥ ६३ ॥ दे उ नं दे क  
 न म य क क न भ क य य म ॥ ६४ ॥ उ व य क  
 यु न नी कं दे व नं य दि उ य वै ॥ ६५ ॥ भ क र  
 ले भ दे क दे भ क क य वि न मि नि ॥ ६६ ॥ इ दि  
 भं दे वि दू पू के म दू ॥ ६७ ॥ उ व य व चि नि ॥ ६८ ॥  
 सुं र क उ भ मे दू य प्र सुं भे व द न ॥



दक्षि... भुं उवागदीनेरुहं पद्म पारि  
... ॥ ५३ ॥ सुं धाद... ॥ र्हो द्रु यवुं भगव  
दना ॥ र्हो द्रु मी सुं के भरी क्रुम टुं सुल  
पारि... ॥ ५४ ॥ सुं वृद्ध... ॥ भेरुहो द्रु भुं  
... ॥ ५५ ॥ एवं दमदिमेरुहो द्रु भुं  
ववा दव... ॥ ५६ ॥ एय भेमा गूडः ॥ ५७ ॥ विणय  
पाड ५५ ॥ ५८ ॥ सुं लिउ वभ पवुं दक्षि  
... ॥ ५९ ॥ मिप भद्रु डिनी र्हो द्रु  
भा भुं वृव भुं ॥ ६० ॥ भाल ठरी लल पंम  
द्रु वे र्हो द्रु म भुनी ॥ ६१ ॥ रिने द्रु न इये द्रु पंय भ  
अरु भयन भिक भ ॥ ६२ ॥ मद्रु नी वरु भ पंउ  
म्व... ॥ ६३ ॥ द्रु न मिनी ॥ ६४ ॥ कपेले कलिक



गह्वरुभुलसुठुगी॥ नभिकंभुग  
 वृमद्रुवभेधुवएषुगी॥ गह्वरुभभमद  
 वीद्रुगिभुंयमजिक॥ मणंयभउक  
 ललिङ्गंमेवभभुती॥ यद्रुहउकेभ  
 गीकभुभंयमजिक॥ यद्रिकयंमि  
 इयभुभदभययडलकभ॥ कभभ  
 दामिबकंरह्वरुभंमेभवभङ्गल॥ गी  
 वयंरुद्रुलीयधधुवंमेवउचर॥ नी  
 लशीवकभुद्रुपंनलिकंनरुद्रुवगी॥  
 भवेपद्रुपगगह्वरुद्रुभेवएणरि॥  
 नभुद्रुमजिकभुययडीनभुभुलीधु  
 य॥ नापद्रुलेषुगीगह्वरुद्रुहिरुद्रुलेषुगी

द.  
 भ.  
 १



भुनेरहेरुददेवीभनःमेकविनमिनी  
हृदयंललिउदेवीहृदयंमिंदवदन॥  
नठिकयधुनीरहेरुदसाकभुगीउ  
ष॥गुरुगुरुगुगीरहेरुदमेगुरुके  
गुगी॥गुरुगुगीउषभेदभुदभेमिंदव  
दन॥कठिकगवडीरहेरुदवीभदिष  
वदन॥एदेभनवलरहेरुदवका  
भभुदयिनी॥पययेउरमिंदीउपय  
पुडेउएमी॥पयमुलीमीपगीरहे  
दयणःभुलवमिनी॥करलिनीन  
एरहेरुदिवरुभकेमिनी॥रेभकु  
पनिकेभगीदयंगीगुगीउष॥रु



मल्लवमभंभत्रुमुमेदंमिपचडी॥१॥  
 इलिकलगरिमुपिउमभुऊटसुगी॥  
 पद्मवडीपद्मकेमंकयेमुनभंभीमु  
 व॥एलभापीनभाएलभठट्टभव  
 मन्निष॥मुंरहाडवद्मंभीमुयेमके  
 सुगीडव॥पदकरंडमेवुडिगहेम  
 चणरिंभी॥१॥७॥पनेमभानंमद्रुय  
 नंनभवेय॥नागंऊंयेयठकरंयेवय  
 डेठनल्लयभा॥यमःकीडियलङ्गीय  
 मद्रहाडेवेळवी॥गोशैमू॥भेहे  
 पमुनेरहायधिके॥१॥१॥भद्रप  
 विठदंरहाडेवेळवी॥वएदमुगहाभ

द.  
 भा.  
 उ



चं० कलं भमेठनभ॥ रमंऊपंडषगा  
वंमचंभमेयमुठिनी॥ मंडुरणमुभेरहा  
नगयलिमुठदुनि॥ सुपुरहाउवागदी  
पंडुरहाउवैभवी॥ एनसुगीपनंरहैकैभा  
रीकटुकभुष॥ भानेहैभदुगीरहैदिए  
यभचउःभुडा॥ रहादीनेउयदुनंकव  
मेनउवलितभ॥ उदुचैरहमेमेविएया  
हैपापनामिनि॥ रहमेभचगाइलिदुने  
दुनप्रउरिलि॥ भचरहाकरंउहंकवमे  
भचदएचउ॥ उंरदभुविशुठहुउ  
वभयेमिउभ॥ परमेकंनगमुउयमीमु  
मुठभादुन॥ कवमेनचुउनिहंयश्यइ।



वडिधुडि॥ उरुउरुललसुविणयःभव  
 कभिकः॥ येयेकभयउकभउंउभप्रेडि  
 लीलया॥ परभैसुदभडलेरप्रेडिडुड।  
 लेप्रभान॥ निठयेणयउभडुःभडुभैसु  
 परणितः॥ इलेकेमकवेसेधुःकवयन  
 वडःभम॥ उंमडमेवकवयंमवपाम  
 पिदलठम॥ यःपुडुयउनिट्टिम  
 त्रुसुडुयविडः॥ मवीकलकवडुभुडु  
 लेकेमपरणितः॥ एगीवडुदमउंभाय  
 भचवृणिविलितः॥ नमृडिडुणयःभ  
 चेलुडविसेएकरयः भुवरंएडुभं  
 येवडुडिमंवपियडिपम॥ सुठियण

म.  
 भ.  
 ७



लिमव लिमत्रयशुलि कुडले ॥ कुय  
 गपेयग सुवकुल ए सुपमेमए ॥ भन  
 एरुडिभा सुवयुहि ए सुपमेमक ॥  
 सुत्रुगिह मगप्यरु किट्टु सुभनर  
 लः ॥ कुडगद पिमय सुयह गनुव  
 वरुगह भवेडलः ॥ कुफ ॥ ३० कैगवद  
 यः ॥ नमृतिरुनन उभृक वमेन वडेदि  
 यः ॥ भनेत्रति रुवेरु सुमे एरु दिः ५  
 रुवेड ॥ यमेरु दि रुवेरु मं कीडि रु  
 दि सु एयड ॥ यदने परमं भुनेयडु  
 गपि रु लु रुम ॥ उरुं मं भव प्रेडिमादि  
 क यरु रु वड ॥ यमि रुं क वमं भु रु

क.स.



ॐ  
भा  
०



ॐ नमः शिवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
नियोगः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
भक्तलभुः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
दयदयः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
प्रकैटभक्तिनी ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
रक्तगीणभुक्तिनी ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
रुः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
प्रदत्तीति ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
कीलकभ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
भक्तभिक्षु ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
द्विउद्वि ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
मंगलये ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



सनलंकीलकंयदेपठकवयंएपे  
 डाएपेउमडीपसुडूभापमिवेदिउः  
 सनलंहुदयेयभुडुषाननलवभे॥क  
 विष्टडीडिनिष्ठिहमिवेनगमिउंउग॥की  
 लकंहुदयेयभुभकीलिउभनेगष॥क  
 विष्टडिनभउदेनहृषामिवकपिउभ॥  
 कवयंहुदयेयभुभवणकवयःपल  
 वरु॥निदिउंउचमिठिनिष्ठिहयेउभा॥  
 भकडेयउवाय॥उमीभडुगभुगग  
 प्रयग॥भुनदइयीभ॥यरयरएग  
 दुंशीयडिकं॥भभुदभ॥एयडी  
 भलकलीकहुकलीकपालिनी॥

॥  
 भा॥  
 ००



इज्जमद्दुमभण्णसीमुणमुज्जनमभु  
 उ॥ भदिधमभरनिउमविणउवरमन  
 भः॥ ऊपेदेदिलयेदेदियमेदेदद्विष  
 एदि॥ भपुकेएठविद्विठऊनंभाप  
 म्मनभः॥ ऊपे॥ वदिउडियुगमेविभा  
 मभेठगृययिनि॥ ऊपे॥ मयिउरूप  
 यगिउभवमइविनमिनि॥ ऊपे॥ नउ  
 हः॥ भवमठहृययिइकेमगिउपदे  
 ऊपे॥ सुवद्वेठडिउवेदंयइकेवृ  
 णिनमिनि॥ ऊपे॥ यइकेमउउयेद  
 भवयतीदठडिउः॥ ऊपे॥ देदिभेठ  
 गृभरगुंदेदिमपमंभापभा ऊपे



विण्डिविडिधेनमंविण्डिवलवच  
 भी॥३॥विण्डिविकलुंविण्डि  
 विप्रलंसिये॥३॥भरभरमिरेरुनि  
 शुभमगलभिके॥३॥दिभामलभुता  
 नचभंभुतेपरभंभुति॥३॥प्रमंभुमे  
 दृष्टप्रमंभुके॥३॥तायभं॥३॥वि  
 दृवतंयमभुतंलङ्गीवतंएनेऊन॥३॥  
 पं॥भदिधंभमेतुप्रभदिधंभरन  
 मिनि॥३॥रऊवीएतुकेमेवियभुभ  
 भुविनमिनि॥३॥यभुभभुतुकेमे  
 विप्रभुलेयनधुतिनि॥३॥प्रभुभर  
 निभुभनभभरुंनिदुतुनि॥३॥

के.  
 भा.  
 ०३



यउवकैसुउवकुमंभुउपरमेषुरि॥  
प॥दल्लेनमंभुउदेविमसुदकुमद  
भिके॥कूपं॥उम्भीपडिमदुवृष्टि  
उपरमेषुरि॥कूपं॥देविश्मदुदेद  
दुमेदुददविनमिति॥कूपं॥कदमन  
वविभुमकरि॥कूमदवि॥कूपं  
तसुददेदिमदेविममुलकुसुकावदं  
कूपं॥देविकुलनेदुमदुनदे  
दयेभिके॥कूपं॥डारि॥दुतमंभा  
रभागरभुजलेदुवभा॥पड्डीमनेर  
मंदेदिमनेदुडुनभारि॥भा॥उदे  
मुइपडिदुडुमदमुइपठेवर॥भउ



भउमडीमसुठलमभ्रिडिभनवः॥५६  
 नलभुइभा ॥॥॥ ॥ विविमुदुल्लनदे  
 जयत्रिवेदीदिवृमदुपे॥मेयः॥पुनि  
 भिउयनभःमेभाचणरि॥॥भवयउ  
 एनेयभुभत्र॥॥भकिकीलनभ॥मे  
 पिह्नेभभवभ्रिडिभउउएउदरः॥मि  
 दुदुल्लएनदीनिवभुनिभकलवृपि॥  
 एउनभुवउनिहंमेइपा०॥॥मिदुडि॥  
 नभत्रनेपणउउनकिझिमपिविदुउ॥  
 विनएधनमिदुउमवभुल्लएनदि  
 कभा॥मभगभलठि॥दि॥लेकम  
 कृमिमंदर॥॥दुल्लनिभत्रयममभव

द.  
 भ.  
 ०३



भवसिद्धमुक्तमभिसुखैवैयमिदं कथाभु  
 उच्चगुह्यकरदमभमभेतिमभेन  
 उच्चवचनियतुमभमिपिहेमभवभे  
 तिमउतंएपुउरः॥८॥यं वचनमुद  
 मभमभं वमभदिउः॥९॥उतिशति  
 गच्छतिनृषेपशमिदुति॥१०॥उत्तुप  
 कीलेनमदमेवेनकीलेतामये  
 निक्षीलं विण्यैनंनिहंएपतिमभुद  
 मभमसिद्धःमगः॥मिपिगनुचएय  
 उनरमउषेवष्टएउमुमुक्तयंऊपिनए  
 यउ॥नपमदुवमंयतिमउमिहमव  
 प्रयउ॥११॥उशरुऊचीउयऊव



विनमृति॥ उउल्लवैवमभमिदं शरु  
 उवृषेः भिगृमिगयकि सिद्धमुते  
 ललनएने॥ उउवेउरुभयेनउउए  
 मिदंएनेः॥ सनेमुएभनेभिमुउः  
 मभडिरुमुके॥ कवहवमभगृपिउ  
 उः शरुभेवक॥ तमुदेउरुभयेनभे  
 कगृगेगृमभं॥ मइजनिः परभेहः  
 भुयउमनकिंएने॥ उउकीलकभु  
 इमभपुभा॥ ॥ विगडिः ऊमकः भे  
 ठेगडिवाठरदुलीगडिभुवेगयरी  
 डिगरीवृष्टमयरीप्ररुइयवृहडिः॥  
 विवृषणिमियेणित॥ उवरापुभट्टनि

द.  
 भा.  
 १८



वउम्वुदः एतिषावाउउमः॥ नि  
कमुभारमभूउपमउवृयडी॥ सुपेद  
कमउउमः मनेमदृयभुवयंनिउ  
यभउविह्नादि॥ कहे॥ वमउंवयः  
निगुभमेमविह्नाउनिपेउविपह्ना॥  
निमुनमसिदिनः यवयह्ना  
कहेयवयमुनभ॥ मषातः भउरु  
व॥ उपमपेपिपउमः कहेवृउमभि  
उ॥ उपमपेवयउय॥ उपउगाउव॥  
कहे॥ पुमदिउदिव॥ गउमुभउ  
लिगुपे॥ उिगुगउः पउिवेरलः पि  
उरयपमठिः॥ दिवः मयंमिठद







भद्रकाली श्री उयेभवक भन रा ५  
 येमपुमतिक पाठ विनियोगः ॥ विनी  
 एदययविद्वये उदूणनयणी भद्रि  
 उत्रः मक्तिः ॥ १ ॥ मेदया उ ॥ ३ ॥ आपङ्गे  
 यद्गदेषु यथपरिष्कृतं सुलं कुमरी  
 मिः मङ्गलं मङ्गलीकै गै भूतयनं भवन्  
 दुषादुभा ॥ यमभुपु पिङ्गकम ।  
 ललेकतुं भवेकै एकं नील मङ्गुतिभ  
 भृपायदमकं भवे भद्रकालिक भ ॥  
 विभक्तुं यउवाय ॥ १ ॥ विभावलिः  
 अदउनयेयेभनः कष्टउधुमः ॥ निमाम  
 यउमदुतिं विभुगङ्गदउमम ॥ १ ॥ भद्र ।

४:



मय नरुवेनयषामनुतुगणिपमभव  
 कुवमककगःमवल्लिमुनेयेरवेः॥  
 भुगेमिषेउरप्रचैयेइवममभकुवः॥  
 भुगेवनभगएकुइमभुद्धिडिमभुले ८॥  
 उभुपलयउःभुष्टुएप्रइनिविम  
 मान॥रकुवःमकुवकुपःकेलाविषु  
 भिनमुद॥५॥उभुउरकवकुदुभडिप्र  
 वलदीभुनः॥तुनैगपिमैउइकुकेला  
 विषुभिकिल्लिउः॥७॥उउःभुप्रभाया  
 उनिएमसाणिपेठवेउ॥सुहउःभ  
 मजकगभेभुमुदप्रवलरिठिः॥१॥  
 मभट्टैउलिठिमुभेमुउलमुगइठिः

म.  
 भा.  
 ७७



कमलं लयापहृतं उत शिषु प्रेमभतः ॥  
उत भगवत्पुत्रेण हृतं भुभुः भुः पतिः ॥  
एककीदयभानुहृलगाभगजनं वना  
भा॥०॥ भतश्च भमभुकीदुलवदः  
भुभमः ॥१॥ भतश्च भुपदकीलभुनि  
मिष्टेपमकिउम॥०॥ उभुकेपिदुकले  
मभुनिनउतभदुतः ॥५॥ उभुउसुविम  
रंभुभिन्नुनिवगभुमे॥०॥ मिथिउयउम  
उतभमदुहभुभनमः ॥१॥ भुचैः पालि  
उतवंभयादीनं प्रदिउत॥०॥ भदुह  
भुभमदुउतदुतः पालुउतव॥१॥ नएन  
भरणनेभमुदमीभदभमः ॥०॥ भ



भवेविवसंयतः कः कृगत्रपलपुते ॥  
 येमभानगडनिहं रभादणनकेलनेः ॥ १८  
 मन्त्रिं सुवेडं कृजचवृवृमदीकृएभा  
 मभभृगृयमीलेमैः जचदिः मउडं वृ  
 यभा ॥ १९ ॥ मस्तिउः भिउिदुः पेनहयं के  
 मेगभिष्टि ॥ २० ॥ मउडं वृमउडं मिनु  
 यभा मपक्रिवः ॥ २१ ॥ उडविशमभा  
 हामेवैमृभेकं ममचमः ॥ २२ ॥ मपधुमुन  
 कभृठेहं उडगभनेरकः ॥ २३ ॥ ममेक  
 उवकभाउं ममन उवलहृमे ॥ २४  
 कलुवयमुमुचपडे ॥ २५ ॥ येदिउभा ॥ २६ ॥  
 रहुवयमउं वैष्टः रमृयवनडे चपभा ॥ २७ ॥

म.  
 भा.  
 ०१



वेसुतवय ॥ १० ॥ भमपिउभवेसुदभइ  
 त्रेणनिनंऊले ॥ १० ॥ भैइइगेडिरभुसुण  
 लठयभप्रकिः ॥ विनीनसुणेनेइरेः ४  
 इरययभेणभ ॥ ११ ॥ वनभहृगउदः  
 पीनिरभुसुइववुकिः ॥ भिहंनवेदि ४  
 इ००कुमलकुमलदिकभा ॥ १३ ॥ ४  
 वडिभुएननंयदग००यइभेभुउः  
 किंउउधंगदहभभहभभउभभुउ  
 भा ॥ १८ ॥ कषंउकिंनभहुउदुचउः किं  
 नभेभंउः ॥ १५ ॥ गलेवय ॥ १० ॥ पेडिरभु  
 कवंल्लेवैः ४ इरगदिठिचैने ॥ ११ ॥ उ  
 प्रकिंठवउः भुदभरवप्रतिभनभभा ॥



वेसुतवाम॥११॥सर्वमेतदृषादक  
 वरुद्धतुं वयः॥३॥किं करिभिनवप्रति  
 ममनिधुरं मनः॥येःमदृष्टपिदृष्ट  
 दंष्ट्रलवैत्रिगदतः॥३०॥तिंभुएन  
 दंष्ट्रलवैत्रिगदतः॥३०॥किंभिनव  
 किलनमिलनत्रपिभदमते॥३१॥य  
 इमप्रवल्मिदुंविगल्मपुत्रिगदतः॥  
 उधेदुतेभनिःसुभेदुतेभनमुंयलयते॥३२॥  
 करिभिकियत्रमनभेप्ररीतिप्रनिधुर  
 म॥३३॥मदृष्टपिदृष्टपिदृष्टपिदृष्ट  
 मदिउतेविप्रुतेभनिममपमिदुते॥३४॥  
 ममपिउतेमवेष्टुमेमयपमिदुतेमः

३३

द.  
 भा.  
 ०५



3711

५१॥

三



॥१॥

५५

ममभूमयवदेषाविवेकनुभूभरुड  
 ऽधिरुवाय॥८५॥ सुनिभमिभमभुभु  
 एतुविषयगमग॥८६॥ विषयसुभदर  
 एयत्रियेवंपषकृषक॥८७॥ मिवात्रुःरा  
 निनःकेमिद्रुवत्रुभुषपग॥८८॥ सु  
 टुकेमिद्रिवरुद्रुनिनभुलुभुयः  
 सुनिभनलःमट्टकिंडउनदिकेव  
 लभ॥८९॥ यउदिहनिनःभवेपसु  
 पहेभगादयः॥९०॥ सुनमडमनष्टांय  
 उकेभगपहि॥९१॥ मनुष्टां  
 मयउपंडलुभट्टउषेठये॥९२॥ सुनपिम  
 डिपमेडारुडमवमसुषु॥९३॥ क

॥  
 ८५  
 ९३



॥ मेरुमड मेरुदी मुभानपिङ्गण ॥  
 भावभाभवलपुमभिलपामडपु  
 डि ॥ ५३ ॥ लेकमुपकगयनवेडा किं  
 नपमुभि ॥ उषाभिभमडवेडे मेरुगडे  
 निपडिडा ॥ ५३ ॥ भदभाय प्रकवेनभं  
 भागभुडिकगि ॥ ५३ ॥ उत्राविभयः क  
 देयेगनिमूलगडे ॥ ५४ ॥ भदभाय  
 दग्धैषाडयभंभेकुडेलगड ॥ निन  
 भपियेडं मिमेवीठिगवडीदिभा ॥ ५५ ॥  
 वलमठभुभदयभदभाय प्रयमुडि  
 डयविभट्टउविमुंलगडेडमुगमभ  
 मेधप्रभत्रवरमन ॥ उकवडिभऊये ॥

५७ ॥



भाविष्टा परमाभुक्तेदेइकुडमनउनी॥१॥  
 मंभारवकुदेउसुमेवभवेमुगमुगी॥१२॥  
 रलेवय॥१७॥ कगवकुदिभादेवीभ  
 जभयेडियंकवना॥१८॥ सुवीडिकषभ  
 इवभाकमभुसुकिंदिल॥१९॥ यइकव  
 यभादेवीयइकुपयमकुवा॥२०॥ उइव  
 मेडमिस्तुमिइउवेमविमंवर॥२१॥  
 थिक्वाय॥२२॥ निइवभाएगकुडिदया  
 मिदंडउम॥२३॥ उवपिउइभइडिउरु  
 एमयडंभम॥२४॥ देवानंकदमिहुरुभा  
 विहवडिभायद॥२५॥ उइवेडिउमले  
 केभनिइप्रुठिणीयेउ॥२६॥ येगनिमंयद

द.  
 भ.  
 ३

भच



विष्णुलगाइकालवी॥७॥ सुभीदमेध  
 भक्तलगाइलगाइरुः॥ उमासुवा  
 भक्तप्रेमविष्टाभक्तैकै॥७॥ वि  
 ष्णुकलभलेमुडदुवक्रामभट्टा  
 भक्तिकभलेविष्णुः भुक्तिवक्राएव  
 डि॥७॥ सुभुक्तवभक्तप्रेमभक्त  
 एनद्वयभक्त॥ उमावयगनिदुतामेक  
 गुरुदयः भुक्तः॥७॥ विरचनक्रय  
 दग्दगिनेइहडालयभक्त॥ विभुचंगी  
 एगहुंतीभुक्तिभंकरकविनीभक्त॥१॥  
 निदुंरगवंडीविष्णुडलाडलभक्तः  
 वक्रवाम॥१॥ इंधुदइंधुणइंधिवध



व०

स.  
भा.  
३०

कृष्णमुनिः ॥ १० ॥ सुष्ठुमन्त्रेतिष्टि  
णभश्चिकित्सितः ॥ चरभश्चिकित्सितः  
दृष्टान्तस्य विमेषतः ॥ ११ ॥ इमेवमन्त्र  
भविषीन्नेलानीपग ॥ इयेतद्देवि  
सुष्ठुयेतद्देवि ॥ १२ ॥ इयेतद्देवि  
उदेविष्ठमन्त्रेयमचरा ॥ विमेषेभ्यः  
विष्ठमन्त्रेयमचरा ॥ १३ ॥ विष्ठमन्त्रेयमचरा  
विष्ठमन्त्रेयमचरा ॥ १४ ॥ विष्ठमन्त्रेयमचरा  
विष्ठमन्त्रेयमचरा ॥ १५ ॥ विष्ठमन्त्रेयमचरा  
विष्ठमन्त्रेयमचरा ॥ १६ ॥ विष्ठमन्त्रेयमचरा  
विष्ठमन्त्रेयमचरा ॥ १७ ॥ विष्ठमन्त्रेयमचरा  
विष्ठमन्त्रेयमचरा ॥ १८ ॥ विष्ठमन्त्रेयमचरा  
विष्ठमन्त्रेयमचरा ॥ १९ ॥ विष्ठमन्त्रेयमचरा  
विष्ठमन्त्रेयमचरा ॥ २० ॥ विष्ठमन्त्रेयमचरा



दगडिमुमरु॥७॥ इमीभुभीसुगीइंहीइं  
 वडिरेपलह॥७॥ लह॥७॥ भिभुषड  
 धिभुमत्रिःहृतिरेवय॥पङ्क्तिनीमुलि  
 नीपेरगदिनीमहि॥७॥ उष॥७॥ मलि  
 नीयपिनीव॥७॥ कुम॥७॥ पीपरिभापुण॥  
 मेभुमेभुउरमेधमेभुमेभुउरमेधमेभु  
 परपर॥७॥ परभाहमेवपरमेधुगी॥यस  
 किञ्चिदुमिदुभुमदमदुगिपलदिके॥  
 उभुमवभुयमत्रिःभाइंकिंभुयमेम  
 य॥ययइयएगइभुएगइइउये॥  
 एगड॥७॥ मिपिनिदुवमेनीउःकभुंमे  
 उमिदेसुरः॥विहःमगीरगद॥७॥ भदभी

३०

३१



मानवस्य ॥ ५८ ॥ कश्चित् भुयं उत भुंक्तः  
 भुंक्तं मज्जिमां वृत्तं ॥ भावमिदं प्रकवेः  
 भुंक्तं मज्जिमां वृत्तं ॥ ५९ ॥ भिन्नये उत मज्जि  
 पद्मवर्गमभ्युक्ते ॥ प्रवर्णयत्तमा  
 दुर्भीनीयतां मज्जिमां ॥ ६० ॥ विपश्चि  
 यतां मज्जिमां उत मज्जिमां ॥ ६१ ॥ विपश्चि  
 वस्य ॥ ६२ ॥ एवं भुंक्तं उत मज्जिमां मज्जिमां  
 वेपथुः ॥ ६३ ॥ विपश्चिः प्रवर्णयत्तमा  
 मज्जिमां ॥ ६४ ॥ नेह भुंक्तं मज्जिमां  
 येह भुंक्तं मज्जिमां ॥ ६५ ॥ नित्यं मज्जिमां  
 वृत्तं ॥ ६६ ॥ वृत्तं मज्जिमां ॥ ६७ ॥ मज्जिमां  
 वृत्तं मज्जिमां ॥ ६८ ॥ मज्जिमां

द.  
 भा.  
 ११



जिसयनडुडभुदमेयडो॥भपुकेट  
केदुगङ्गनवडिवीदपगङ्गभे॥७॥  
केपगङ्गकलेदुवङ्गलेनविउड  
भे॥भभङ्गयडडभुङ्गयपुठगव  
रुविः॥७॥पडवदभदभुलेवङ्ग  
पदलेविङ्ग॥डवपुडिवलेङ्गडभ  
कभायविभेदिडो॥७॥डङ्गवङ्गव  
रेभुडविडडभितिकेसवम॥७॥मी  
कगवत्रवपु॥कवेडभपुडभेवभभ  
वपुवठवपि॥७॥किभुनवरे७  
इडडवडिडडभय॥७॥दविडवपु  
७७॥वडिडडभितिकेसवम॥७॥



भयेलागाडा॥००॥विलेकडाहंगदि  
 डेकगवकभलेकः॥सुवंगदि  
 नयेवीमलिलेनपरिलुडा॥००॥  
 धिरवाम॥३॥उषेदककगवडाम  
 मङ्गदहडा॥कवमङ्गवेष्टिने  
 अनेमिरभीडयेः॥३॥एवमेधामभु  
 ववङ्गमंभुडामुयम॥१॥कवम  
 भुदेवभुङ्गयःमङ्गवमभिडे॥००॥  
 उडिमीमङ्गङ्गयमङ्गभावलि  
 मङ्गङ्गङ्गवीमङ्गङ्गमङ्गकैकव  
 नमङ्गमङ्गयः॥०॥विडिडीयम  
 उडिविङ्गडविङ्गडलङ्गीदेवडा॥३

म.  
 भा.  
 १३



लिङ्गायः सकभुगीमक्तिः दनवीले  
वायुभुङ्गे॥ यद्वेद्यमयीप्रतिदनाशी  
उयेहिडीययतिउपवेविनियोगः॥॥  
उचिहभरुगमुगयेप्रकुलिमपङ्के  
नःऊमिकेदंमक्तिभमियमदण  
लेप्युभरुगएनभ॥कुलेपम  
भद्वनेयपंडीदभैःप्रवलप्रकं॥  
मेवेभैरिभमिनीभिदभदलङ्गीभ  
रेलभिकुडभ॥पधिरवय॥॥उयेवभ  
रभद्वद्वुप्रलभद्वमउं॥भदिष  
भरुभपियेवनेयप्रद्वरे॥३॥उ  
इभरेद्वदीदेवेभैःपराणिउभ॥



लिङ्गमभकलदेवनिम्नमुदिपा  
 भुग॥३॥उतःपरणिङ्गदेवःपरुयेनि  
 ररपडिभ॥४॥भुङ्गुगडभुङ्गुयडेसग  
 रुडुवेले॥५॥यषाडुडेयेभुङ्गुमदिपा  
 भुगेयभुङ्गुभ॥६॥दिग्गःकषयभभुङ्गु  
 वठिठवविभुगभ॥७॥भुदेभुङ्गुनिले  
 भुङ्गुयभभुवभभुय॥८॥भुङ्गुयभभुवभभुय  
 गभभुयभभुवभभुय॥९॥भुङ्गुयभभुवभभुय  
 उःभवेडेनदेवगभुङ्गुवि॥१०॥विमरभुयभ  
 भुङ्गुभदिपभुङ्गुभ॥११॥भुङ्गुभदिपभुङ्गुभ  
 उभचभभगविमिभुङ्गुभ॥१२॥भुङ्गुभदिपभुङ्गुभ  
 भुङ्गुभदिपभुङ्गुभ॥१३॥भुङ्गुभदिपभुङ्गुभ

रु.  
 भ.  
 ३८



ॐ निमभृदेवा नं वर्यं मिमपुभृमनः  
 यक रके पं सभु सुकू जपी ऊटिला  
 नने ॥ ७ ॥ उउउउ के पप्रु भृमरि  
 वमन डुउः ॥ निमृरु मभदडे एवृरु  
 ॥ सङ्कर भृम ॥ १० ॥ नवैधं येव देवा नं  
 मरुमी नं मगीरडः ॥ निजउं मभदडे  
 एभुमृरुं मभगपुड ॥ १० ॥ मरीवडे  
 एभः ऊएलु लउ भिवपचउभा ॥ यरु  
 सुमुभग भृरुल वृपुदिगउरभा  
 चउलेउउडेएः भचदेव मगीरए  
 भा ॥ एकभु उरुडु गीवृपुलिकइयं  
 विध ॥ १० ॥ यदु सुभुवंडे एभुनए



यउउरुणम॥याभुनयकवकेसाव  
 जवेविभुतेणम॥०८॥मिभुनभुनये  
 दगभमष्टभैरु॥याकवउ॥वक॥न  
 यल्लेऊनिउभुमेणमाहुव॥०५॥  
 वरु॥भुलमापमेउरुमुलेकेतेण  
 म॥वभुनंयकरुमुलुःकेवेरे॥म  
 नभिक॥०७॥उभुभुयतुःमभुतुः  
 भालपडेनेतेणम॥नयनप्रितयेणले  
 उषापावकतेणम॥०१॥ह्वेयभभु  
 यरभाम्व॥वनिलभुम॥चवृषं  
 मेवदेवानंमभुवभुलमासिव॥०६  
 उतःमभभुदेवानंतेणसिमभुदुवं

स.  
 भ.  
 ३५



उं विलेकभुं शंभरभगभदिवादि  
५॥१०७॥ सुलं सुलादि निष्पृष्टये  
उं भैपिनकट्ट॥ गं सयउवा हं  
मभदृष्टुमरुतः॥ मं सवनः  
मज्जिदये उं भैरुत मनः॥ भानेउर  
उवं सुपेव॥ प्रलुउषेधुणीः॥ १०७  
वरभिमभमदृष्टुलिमयभगणि  
पः॥ यमिउं भैमजभुद्धेपभुभैगव  
॥ १०८॥ ११॥ कालयदृष्टुभेयं  
पमं यभुपडिदये॥ प्रलपडिमुह  
भालं यमवृद्धकभदृष्टुलभा॥ ११॥  
मभभुगभकृपपुनिलगमीदिवक



१॥ कलसुद उव नून उभै मद्रयनि  
 मलभा ॥ १८ ॥ क्षीरि सुभलं दरभल  
 रेय उषा भुरे ॥ सुभ भि उषा दिवै उ  
 भुलक एक निम ॥ १९ ॥ चचमं उषा  
 सुभं के प्रग भव व रुधु ॥ उषा विभ  
 लो उभुं वै वेय क भव उभभा ॥ २० ॥ सुभ  
 लीय कर उ निम भभु सुभुली पुग ॥  
 विभुक द्रम उभै पर सुभा डिनिम  
 लभा ॥ २१ ॥ सुभु उ ने क रुपा उषा  
 के सुं यं भनभा ॥ सुभान पदु लंभा  
 लं मि र भु र भिया परभा ॥ २२ ॥ यम  
 एलणि भुं भै पदु लंभा डिमे व नभा ॥

मे  
 भा  
 ३०



दिभवाच्चादनंभिंदरइनिविविणनि  
य॥३७॥ददवमुत्तंभरयापनपाउण  
नठिपः॥मेधसुभवनगेमेभदभ  
विकुपितभ॥३८॥नगजगंमिउभैठ  
इयः॥पिबिमीभभभ॥पट्टैरपिभरै  
वीकुधलेरयुठेमुवा॥३९॥भभुनिडा  
ननदेसुःभादुदमंभदुदुद॥उभु  
ननदेथेर॥दुदुभाप्रिउनक॥४०॥स  
भायडाडिभदडा॥डिमवेभदनकुडा॥  
मुदुदुःभकललेकः॥भभदुसुमक  
भिर॥४१॥ययलवभुदयेलभुकल  
सुभदीणः॥लयेडियभददेवभुभ



यः भिन्नवदनम ॥ ३५ ॥ उभुवदनयस्य  
 नं कजिनभद्रभुजयः ॥ ३६ ॥ मधुसमभुमं  
 वृद्धैलेकभमगरयः ॥ ३७ ॥ भद्रदुपिल  
 भेदुभुमभुतभुनयपुणः ॥ ३८ ॥ सुः किभेउ  
 दिडिउणयठभृमदिधभरः ॥ ३९ ॥ सु  
 कृणवउउंमदुभमेधैरभुगैवउः ॥ ४० ॥ मय  
 वउउंमेवीवृपुलेकइयीद्विध ॥ ४१ ॥ प  
 यरुवृनउकुवंकिरीएल्लिपिउभुगभा  
 हेठिउमेधपाउलंठउहृनिःभुनेनय ॥ ४२ ॥  
 दिमेकुलभकभेभमभुतदृष्टभेभि  
 उभ ॥ ४३ ॥ २वयउयुंउयमेवभुग  
 धभ ॥ ४४ ॥ मभुभेउकृणभेकैरमीपिउ

५०  
 ५१

५२



दिगत्रयम् ॥ मदिधामभरमेननीसि  
 कृष्टिभदभरः ॥ २॥ ययुषेयमंशु  
 सुतरङ्गवलात्रितः ॥ रषानभयुतेः ॥  
 दिग्मयष्टिभदभरः ॥ ३॥ ययुषे  
 उयुतनंयभदभे ॥ मदभदभरः ॥ ४  
 मदिभुनियुतेगभिलेभभदभरः  
 ययुतनंमतेः ॥ मदिवाकलेययुषे ॥  
 ॥ गालवलिभदभे ॥ येनेकैः परि  
 वारितः ॥ ५॥ कउरषनंकेष्टुययुष्टु  
 भिन्नयुष्टु ॥ विदलण्टियुतनंय ॥  
 मदिभुगयुतेः ॥ ६॥ ययुषेयमंशु  
 रषानंपरिवारितः ॥ ययुषेयमंशु



रवनागदयैवडा ॥ ८५ ॥ युयुपः भंयु  
 गेदेवः भदुडभदभरा ॥ केटिके  
 एभदभे सुगवा नं मतिनं उषा ॥ ८६ ॥  
 दयानं यवे उयुडु उडु डु दिषा मुरः  
 उभे गेदिदि पलै सुमत्रिदिमु भैले  
 मुषा ॥ ८७ ॥ युयुपः भंयु गेदेव गपदुः  
 परमुपदिभैः केमि सुमिदि पः म ॥  
 जीः केमिदु मां मुषा पर ॥ ८८ ॥ देवीप  
 न्ना भदु गेमु उडुं कडुं रमडु म ॥ मपि  
 देवी उडु मु निममु टु मु नि मदि  
 क ॥ ८९ ॥ लीलै ये वर मि सुद नि ए  
 मभु भुवदि ॥ ९० ॥ वनय भु वन ये देवी

दे.  
 भा.  
 ९५



श्रुयमानभरद्विधिः॥५॥भुभेयभरदे  
देधुसभृष्टभृष्टिमेधुगी॥मिपिरेण्डु  
उमट्टेवृवदनकेभगी॥५०॥ममरा  
भरभेदेधुवनेधिवरुडामनः॥निःधु  
भाभभुमेयं सुयुधुभनरल्लभिका॥५३  
उत्तवमहःमभुडगः॥मउमदभूमः  
युयुधुमेपरमुठिठिठिडपलामिपदि  
भैः॥५३॥नमयतेभरगः॥उदेवीमहुप  
दंदिडः॥धुवमयतुपटदनः॥महं  
भुवपमे॥५५॥भदुहं सुउवयतेउभि  
वृहभदेवुवे॥उतेदेवीडिमुलेनगय  
यमरद्विधिः॥५५॥पहुदिठिसुमउ



मेनिलथा न भद्र भद्र न ॥ पाउय भ म  
 मेव दृष्टुं न विभेदिता ॥ ये म म  
 गुरु विपमेन वदुः पाउ न क द्य यता ॥ के  
 सिद्धि पाद ता भी ह्यः ॥ पादु पाउ मुषा प  
 मे ॥ विपे विप नि पाउ न ग द य कु वृ मे  
 रता ॥ वे भ सु के सिद्धि रं भ भ ले न ह म  
 दता ॥ ॥ के सि वि प डि उ कु भे रि त्रः  
 मुले न व ह मि ॥ नि र पु रं मे रे च न द ताः  
 के सि द् ॥ रि रे ॥ ॥ मे न न क रि ॥  
 ॥ ॥ म भ सु धि द म र यः के ध सि द् द  
 व सि द् द सि द् द री व मु षा पे रे ॥ ॥ मि रं  
 मि पे ड रे रे ध भ रे भ रे वि द रि ताः ॥ वि सि

मे.  
 भ.  
 ३७



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
कवचं ह्यस्य नाम ॥ केचिन्मन्त्रं ब्रुवाद्वा  
किञ्चिदपि मन्त्रं मिरसि पठितं ॥ पुनरुक्तिः  
कवचं यद्युपैतं ब्रूयात्तदा नीलं परमायुषः ॥  
न च उच्चैः परैः उच्यते ॥ इदं लया मिदं ॥  
कवचं सिद्धि मिदं मः ॥ अहं मद्गुप्तिः ॥  
यः ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥  
भगवतः ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥  
सुवभक्तः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
कवचं ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥  
मृगुदविमभूतः ॥ भगवतः भगवतः भगवतः  
ॐ ॥ भगवतः भगवतः भगवतः ॥ ॐ ॥



भेदभभगं उषाधिक ॥ निरुक्तयं यव  
 वक्रिभु ॥ दनभदययभ ॥ ७ ॥ भय  
 भिदेभदनादत्रदु ॥ नुउकेभरः मरी  
 रेहभगी ॥ भभुनिवविमिनुति ॥ ८ ॥  
 देवगले ॥ सुडेभुइहउयइउषभुरैः न  
 वेनउधुवदेवः ॥ ९ ॥ दधिभयेमिवि ॥ १० ॥  
 उडिमीभक ॥ ययग ॥ भवल्लिकेभ  
 वुनुगेदेवीभादडेभदिधभभेववणेन  
 भद्रिडीयेष्टायः ॥ ११ ॥ उउदृदुनभदभ  
 कविभन ॥ हभंमिरेभालिकंरकुलि  
 प्रपयेणं एपवलीविदृभलीउिवरभ  
 दभुल्लैमणंडीरिनेइविलभदुकरविदु

मे.  
 भा.  
 ३



सिंघेदेवीचक्रदिभंसुरभक्तऐवदेभा  
भक्तभित्तभा॥८॥पिनवम॥०॥विनिदत  
भानेउदैतभवलेकभदभरः॥मेननी।  
सिद्धरःकेपट्टयेयेदुभवभित्तभा॥३॥  
भदेवीमरवेदे॥ववदुभभरेभरः॥यष  
भेरगिरेःमउंउयवेदे॥उयदः॥३॥उ  
भुष्टिउउदेवीलीलेयैवमेरुगन  
एधनउरगात्रु॥दुउरेयैववलिन  
भा॥८॥मिष्टेदयपत्रःभष्टेपुलेयाडिम  
भुष्टिउभा॥विष्टायेमेनगादेभुष्टिउपत्र  
नभासुगेः॥४॥भुष्टिउपत्रविष्टेदउसे  
दउभाविः॥महणवउउदेवीपदुपयम  
उरेभरः॥०॥मिदभाददपदुपनडीहु।



३०



डिउंरुमुकेपमभविउः॥सिद्धेपयभरः  
 मुलेवलेभुदीपयसिुनउ॥०३॥उउःभिं  
 दःभभदइगएकभुउगेभिउः॥वक  
 यहुनययउउनेमुभिदमारि॥०८॥  
 यहुभनेउउमुउउभउगामंदीगउ॥  
 पुयउउउउभंरुवु॥५॥उउउउउउः॥  
 उउवेगहभदइनिपदयभगारि॥॥  
 करपकरे॥मिरसुभभभुविणहउभ॥  
 उदगुसुगलेमेवमिलवह्यादिदिह  
 उः॥०१॥देवीरुदुगदपउउसुल्यभ  
 भयेहुउभ॥वकलेकिभिपालेनव  
 लेभुभंउउवकभ॥०५॥उगभुभगवी

०५

०६



दंतउधैवमभननभा॥दिनेउंयदिमुले  
 लेनएअनपरमेसुगी॥०७॥विकलभृ  
 भिनकायदुयभभवेमिरः॥सुदुरं  
 दमापंसेकेसरेविष्टेयभद्वयभा॥३॥  
 वंसंक्षीयभल्लुमुभेष्टेभदिषभरः॥  
 भादिषे...मुकुपे...इभयभभउत्त  
 न॥३०॥कंसिउदुधरुदेर...हुग्दोपे।  
 भुषपरन॥लकुलउदिउंस्वाष्ट  
 सुहुंयविमरिउन॥३३॥वेरोनकंसिउ  
 परत्रदेनहुभल्लनय॥निष्ठभपवनेन  
 दृष्टयभभकुले॥३३॥निपदृष्टभ  
 नीकंभेष्टणवमदुभरः॥मिदंउत्तुभन

॥  
 ॥  
 ॥



मन्त्रः के पं मन्त्र उ उ भिक ॥ ३८ ॥ मि पिके ५  
 मन्त्र वीदः ॥ ३९ ॥ मन्त्र मन्त्र उ लः ॥ ४० ॥  
 पच उ उ उ उ उ उ उ उ उ ॥ ४१ ॥ वेग  
 मन्त्र विदः ॥ ४२ ॥ मन्त्र मन्त्र उ उ मीद उ ॥ ला  
 मन्त्र मन्त्र उ उ उ उ उ उ उ उ उ ॥ ४३ ॥  
 पच मन्त्र विदः ॥ ४४ ॥ मन्त्र मन्त्र उ उ उ उ उ उ उ उ उ ॥  
 मन्त्र मन्त्र उ उ उ उ उ उ उ उ उ ॥ ४५ ॥  
 मन्त्र मन्त्र उ उ उ उ उ उ उ उ उ ॥ ४६ ॥  
 मन्त्र मन्त्र उ उ उ उ उ उ उ उ उ ॥ ४७ ॥  
 मन्त्र मन्त्र उ उ उ उ उ उ उ उ उ ॥ ४८ ॥  
 मन्त्र मन्त्र उ उ उ उ उ उ उ उ उ ॥ ४९ ॥  
 मन्त्र मन्त्र उ उ उ उ उ उ उ उ उ ॥ ५० ॥

३०



यावत्तुष्टुभिकमिरः॥ किन्नित्तुवदुदुधः  
 लक्ष्मणपतिरुसृज॥३॥ उतलवमुपनयं  
 मेवीमिष्टुदभायैकैः॥ उतपदुमदुभा  
 चंउतमिष्टुदगालः॥३॥ करेयमद  
 भिंदंउमकदलालय॥ कदुउमुकरे  
 वीपदुननिरुतुत॥३॥ उतमदभरेकु  
 येभादिपंवपुगकिउः॥ उधैवहेयभा  
 भेइलेहंभमरयरभा॥३॥ उतःकदुल  
 गदुउमदिकपानभुमभा॥ धिपपुनः  
 पुनसुवलादभादुलिमन॥३॥ ननक  
 यभुरभिपिलवीदभमेदुतः॥ विप  
 हंममिहेपमदिपुडिपुपुन॥३॥ भय

मे  
 भा  
 उ



उद्दिष्टं भुवनसुखं यतीमरेकैः ॥ उवाच ॥  
 उभयेषु उभापरागा कलहं हारभा ॥ ३० ॥  
 उवाच ॥ ३१ ॥ गल गल हं ॥ भुक्त भवया  
 वदित्वा भुक्तं ॥ भयं दयितुं इव गलय  
 इत्युमेवतः ॥ ३२ ॥ उपिक्तं ॥ ३३ ॥ एवम  
 कृत्वा भवत्तु भवत्तु उभयं भवत्तु ॥ ३४ ॥  
 नरभुक्तं ॥ यमुलेनैव भवत्तु यत्तु ॥ ३५ ॥  
 उः भविष्यत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु ॥ ३६ ॥  
 भवत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु ॥ ३७ ॥  
 भवत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु ॥ ३८ ॥  
 उवाच भवत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु ॥ ३९ ॥  
 उवाच भवत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु ॥ ४० ॥

मृगभः



दक्षयपरेणमःभकलमेवउगा॥१॥२३

उधुवभंभरदेवीभदमिद्वैदददिकिः॥

एगनवृचपउयेनउसुउसुभरेग॥१॥

८८

उडिमीभकृययभभवलिकेभव

उगेमेवीभददुमदिषभरवणेनभदडी

येष्टयः॥१॥३॥उिकलकृकंकएहेगलि

ऊलकयमंभेलिवदुदुगपंसद्वमं

दपं॥३॥डिमिपभधिकैरुदुदडीरिनें

मिंदकृवृणिकृकंडिकुवनभपिलेउए

भप्रयडीष्टयेदुतंभलयाष्टंरिदमप

रिदउंभविउंभसिकुभैः॥८॥धिरुव॥

य॥०॥उिमदुदयःभरग॥१॥निदडेडि।

दे.  
भा.  
३८

(३)



[illegible]



उंऊललनप्रवृत्तल्लुउंउंनडाःभूप  
 रिपलयमेविविषुभ॥५॥किंवलय  
 भउवहुपभमिबृभउकिंयाडिवीदभभर  
 कयकरिहुगि॥किंसाढवेधुपरिडाविउ  
 वहुडनिमेवधुमेवृभरमेवगा॥मिके  
 धु॥॥केडभभभुलगाउंदिगु॥॥पिमैवे  
 इल्लयभेकरिदरदिकिरप्रपार॥भव  
 म्यापिलभिदंलगदंमुहुउभवृहडा  
 दिपरमप्रहडिभुभाहृ॥॥॥यभृःभभभु  
 भगउभभमीरलनरुप्रिप्रयाडिभकले  
 धुभापिधुमेवि॥भुदभिवेपिदगा॥भु  
 यद्रुप्रिदेडरुहृदभेडुभउल्लवलेनैःभुण

द.  
 भा.  
 ३४



४५॥ यभक्तिदेउरविणिभुभदवैउभुभ  
हृहमेभनियउमियउभुभगेः॥ भिहृकि।  
किमुनिकिरभुभभभुमेधेचिहृमिभरुग  
वडीपरभक्तिमेवि॥ ७॥ मवृद्विकमिवि  
भलनुडाधेनिणनभुडीधरभृपयप०  
वउंयभभ्रभा॥ देवीइयीरुगवडीरुव  
रुवनयवडाभिमवएगउंपरभडिद  
डी०॥ भेणभियेविविदिडापिलमभु  
भगवत्तभिमृजठवभगरनेरभदु।  
मीःकैटठविहृमयेकदडाठिवभगे  
मीहमेवममिभेलिदडाधुडिधु॥ १०॥ रं  
पडुदभभभलेपरिप्रलयमृविधुत्र।



कठिकनकेडुभकत्रुकात्रिभा ॥ १८८ ॥ सुट्टुडु  
 प्रहृतभडरुधडवपिवक्तुविलेकभन  
 भाभदिधभरे ॥ १९१ ॥ सुधुपिमिविज  
 पिउंहुजलीकरलभट्टसुमभूम  
 सुवियत्रभट्टः ॥ १९२ ॥ सुभेमभदिधभुम  
 ग्रीवमिउंकेलीवृडेदिजपिउत्रुकदत्त  
 नेन ॥ १९३ ॥ देविप्रभमपरभाठवडीकवा  
 यभट्टेविनमयडिकेपवडीजलनि ॥  
 विहृतभेडभप्रनैवयमभुभेडत्रीउंरले  
 भविप्रलंभदिधभरमु ॥ १९४ ॥ उभभुडा  
 लनपमेपुणननिउंउंउंयमंभिनम  
 भीमडिववृवत्तः ॥ १९५ ॥ सुभुमवनिहृत

दे.  
 भा.  
 ३०



[illegible]



रुष्टेव किं न कवती रक गति रुम भव भ  
 रनरि प्रयद्दि विम भुमा ॥ लेक दू  
 यानुरि पेवे पिदिम भु ॥ ३३ ॥ भति रुवति  
 उधुदि उधुभा श्री ॥ ०७ ॥ पद्म प्रक प्रक  
 रविभुग ॥ भुषे गैः मुल एक डिनिव  
 केन रुमे भग ॥ ७ ॥ यत्र गड विलय  
 भं सुभमि रुग ॥ ५ ॥ येष्टु ननं उव विलेक  
 यडं उमे उड ॥ ३१ ॥ रुव उव रुम भनं उव मे  
 विमीलं रु पे उषे उड विमि तृभ उलुभैः  
 वीदं गद रु उमे च पर रुभा ॥ ७ ॥ वैरि धुपि  
 रक टि उव रुय रुये रुभा ॥ ३० ॥ केने पभा  
 रुव उड उधु पर रुभ रुग पे गम रुय रुक द

रु.  
 भा.  
 ३१



डिदगिऊ॥ मिडेऊपमभगनिपूरडाय  
रुध्रुइष्टवेदेविवग्देकुवनइयेपि॥३३॥  
इलेकभेउमपिलंगिपनमनेनइउडय  
मभरभुननिउपिदइ॥ नीडदिवंगिप  
ग॥ उठयमपृपमुमभकंमभमभग  
गिठवंनभमे॥३३॥ मुलेनपदिनेदेवि  
पदिपझेनमभिके॥ ५॥ भुनेन  
नःपदिमपष्टनेःभुनेनम॥३५॥ रंष्ट  
रहपडीमुंमगिभिकेरहमहि॥ ६॥  
भलेनइमुलभुमइरभुंउषेमुगि॥३५॥  
भेपुनियनिकुपगि॥ इलेकविमगति  
उ॥ यनिमइउधेगि॥ उेरहभंभुष



कुवम॥३५॥पद्मसुलगददीनियनि।  
 मभू॥३६॥भुके॥क॥पल्लवमजीनिउ  
 रभू॥३७॥भचउ॥३८॥धिरुवम॥३९॥  
 वेभुउभैरिद्वैःऊभैभैउनेद्वैः।  
 सिउगलउंणरीउषागद्वलपेने॥  
 ३७॥ककुभमभैभिरुमेदिद्वैवुपेभुउ  
 पिउ॥३८॥रभू॥मभू॥पीमभभू॥  
 उद्वान॥३९॥मेद्वैवम॥४०॥वियउंश्चि  
 मःभवेयमभूउठिवाङ्गिउभा॥४१॥  
 वरुमः॥४२॥ठगवद्वउंभचंकिदिम  
 वमिष्टेउ॥४३॥यमयंनिदउःमभू॥  
 मदिधभर॥यदिवापिवरेयभुय।



भक्तं भक्तं सुति ॥ ३५ ॥ भक्तं भक्तं सुति  
दिमीषा परमा परः ॥ यस्तु भक्तः भुवैरिति  
भुं भुष्टमलानन ॥ ३६ ॥ उभुविउतिवि  
कवेचनगरदिभक्तमभा ॥ ३७ ॥ दुयेभु  
भुभक्तं सुवेष्टः भक्तमभुके ॥ ३८ ॥ उषि  
भक्तम ॥ ३९ ॥ उतिभुभक्तिदेवैलगतै  
उषाभुनः ॥ उषाभुभक्तमलीवकुवा  
उदिउभु ॥ ४० ॥ उतिभुभक्तिदेवैलगतै  
भुभक्तमभुभक्तिदेवैलगतै  
गइयदिउषि ॥ ४१ ॥ भुभक्तिदेवैलगतै  
भुभक्तमभुभक्तिदेवैलगतै  
हनं उषाभुभक्तिदेवैलगतै ॥ ४२ ॥



यमलिकनं देव न भय कं गि ॥ ३  
 सु ॥ सुभय ष्ट उं यष व कृषय मि उं ॥  
 उं डि मी भा कृ ऋ य ष र ॥ भा व लि के  
 भ व उं रे म वी भा न दे म रु मि भु डि उं भ  
 म उं के ष्ट यः ॥ ६ ॥ उं मि न भु म मि मे  
 ष र भ र क उं रा ष्ट म उं डि कु लेः म ले  
 म रु ष रः म रं सु म ष डी ने उं मि डिः मे डि  
 उं ॥ सु भ कृ ऋ म द र क क ॥ १ ॥ कृ षी  
 क ॥ उं ष र म न द न डि द गि ॥ १ ॥ क व उं  
 ने र डे ल भ कृ ऋ लः ॥ ८ ॥ ष र व म ॥ १ ॥  
 ष र भ भु नि भ भ कृ भ भ कृ म सी प  
 उं ॥ इ ले कं य लु क गं सु रु उं म य व ल

६  
 भा  
 १७



म्याउ॥३॥ उवेवभुदं उदुदणिकं उ  
 वेवभ॥ केवेरभषयभुंममउचम  
 भुम॥३॥ उवेवपवनांमुंममउच  
 फिकम॥ उउमेवविनिवुताहुपुग  
 हः परणितः॥ ८॥ हउणिकरभूम  
 माभुहंभवेनिरहः॥ भदभुहंउं  
 देवीभंभुहपणितभ॥ ५॥ उयभु  
 कंवेरमेउयषपहुभुतापिलः॥ ठव  
 उंनमयिष्टाभितुहु॥ उदुभपम॥ ७॥  
 उउहहभउमेवः दिभवउंनगेषुभ  
 एगभुउउमेवीविल्लभायं॥ उधुवः  
 देवकुमु॥ ९॥ उंनभेमेवैभदमेवैमिव



येमउउंनमः॥नमः५॥कृष्टैरुद्रयेनियउ  
 ५॥उःमउम॥७॥गृष्टैरुद्रयेनियउ  
 गृष्टैरुद्रयेनियउः॥८॥गृष्टैरुद्रयेनियउ  
 येमउउंनमः॥९॥कृष्टैरुद्रयेनियउ  
 मिष्टैरुद्रयेनियउः॥१०॥कृष्टैरुद्रयेनियउ  
 गृष्टैरुद्रयेनियउः॥११॥कृष्टैरुद्रयेनियउ  
 गृष्टैरुद्रयेनियउः॥१२॥कृष्टैरुद्रयेनियउ  
 गृष्टैरुद्रयेनियउः॥१३॥कृष्टैरुद्रयेनियउ  
 गृष्टैरुद्रयेनियउः॥१४॥कृष्टैरुद्रयेनियउ  
 गृष्टैरुद्रयेनियउः॥१५॥कृष्टैरुद्रयेनियउ  
 गृष्टैरुद्रयेनियउः॥१६॥कृष्टैरुद्रयेनियउ  
 गृष्टैरुद्रयेनियउः॥१७॥कृष्टैरुद्रयेनियउ  
 गृष्टैरुद्रयेनियउः॥१८॥कृष्टैरुद्रयेनियउ  
 गृष्टैरुद्रयेनियउः॥१९॥कृष्टैरुद्रयेनियउ  
 गृष्टैरुद्रयेनियउः॥२०॥कृष्टैरुद्रयेनियउ

ये  
 मः  
 उः



णीयते नमः भुम्भे ॥ ०१ ॥ नमः भुम्भे ॥ ०२ ॥ नमः  
 भुम्भे नमः ॥ ०३ ॥ यदेवी चक्रि  
 नमः भुम्भे ॥ ०४ ॥ नमः भुम्भे ॥ ०५ ॥ नमः भुम्भे न  
 मः ॥ ०६ ॥ यदेवी ॥ निद्रु ॥ नमः  
 भुम्भे ॥ ०७ ॥ नमः भुम्भे ॥ ०८ ॥ नमः भुम्भे नमः  
 नमः ॥ ०९ ॥ यदेवी ॥ कृष्ण ॥ नमः  
 भुम्भे ॥ १० ॥ नमः भुम्भे ॥ ११ ॥ नमः भुम्भे नमः  
 मः ॥ १२ ॥ यदेवी ॥ कृष्ण ॥ नमः भुम्भे  
 नमः भुम्भे ॥ १३ ॥ नमः भुम्भे नमः ॥ १४ ॥  
 यदेवी ॥ मङ्गि ॥ नमः भुम्भे ॥ १५ ॥ न  
 मः भुम्भे ॥ १६ ॥ नमः भुम्भे नमः ॥ १७ ॥  
 यदेवी ॥ कृष्ण ॥ नमः भुम्भे ॥ १८ ॥ नमः

१७



भुभु॥३५॥नमभुभुनभनमः॥३१॥या  
 देवी॥कृतिरु॥नमभुभु॥३३॥नमभु  
 भु॥३७॥नमभुभुनभनमः॥३८॥यदे  
 वी॥कृतिरु॥नमभुभु॥३९॥नमभुभु॥  
 नमभुभुनभनमः॥४०॥यदेवी॥ल  
 रु॥नमभुभु॥४१॥नमभुभु॥४२॥नम  
 भुभुनभनमः॥४३॥यदेवी॥मृतिरु॥  
 नमभुभु॥४४॥नमभुभु॥४५॥नमभुभु  
 नभनमः॥४६॥यदेवी॥मृदु॥न  
 मभुभु॥४७॥नमभुभु॥४८॥नमभुभुन  
 भनमः॥४९॥यदेवी॥कृतिरु॥नम  
 भुभु॥५०॥नमभुभु॥५१॥नमभुभुन

दे.  
 भा.  
 ६०



नमः॥५॥ यदेवी॥ लङ्गीरु॥ नम  
भुभु॥१॥ नमभुभु॥५॥ नमभुभु नम  
नमः॥५॥ यदेवी॥ पडिऊ॥ नमभु॥  
भु॥५॥ नमभुभु॥१॥ नमभुभु नम  
नमः॥१॥ यदेवी॥ भुडिऊ॥ नमभु  
भु॥१॥ नमभुभु॥१॥ नमभुभु नम  
नमः॥१॥ यदेवी॥ दयऊ॥ नमभुभु॥  
नमभुभु॥१॥ नमभुभु नमनमः॥१॥  
यदेवी॥ उडिऊ॥ नमभुभु॥१॥ नम  
भुभु॥१॥ नमभुभु नमनमः॥१॥ य  
देवी॥ भुडिऊ॥ नमभुभु॥१॥ नमभुभु  
नमभुभु नमनमः॥१॥ यदेवी॥ उडि  
ऊ॥ नमभुभु॥१॥ नमभुभु॥१॥ नम



भुभुनेनभः॥१०॥ उद्विष्टा ७ भठि  
 भूरीकुडनभणिलेपुय ॥ कुडेपुम  
 उउउभुदेवैवै ॥ नभेनभः॥११॥ यि  
 डिङ्गप ॥ यङ्गुमेउड्डएगडिङ्ग  
 नभभुभु॥१२॥ नभभुभु॥१३॥ नभभु  
 भुनेनभः॥१४॥ भुडभेरेः प्रवभनीष  
 भंमयउषभेरेः मदिनमेविडा॥  
 केरडभानः सुठदंडेरी सुगेसुठनि  
 ठदुष्टठिदनुयापयः॥१५॥ यभभु  
 उयेकुडेदेड्डभिडेभुठिरीमदिम  
 रेडभभुड॥ यभभुडउड्ड ॥ भवदनु  
 नभभपयेठठिविनभुप्रुडिठिः॥१६॥  
 ठपिदवम ॥ एवंभुवठिपुङ्गनंयव

मे.  
 भा.  
 ६९



नोट इ प चरी ॥ भूत भूत यथेते ये एन  
हं न प न न ॥ ५८ ॥ भूत वीत न न न  
न व न भूत यथेते क ॥ मरी र के म न न  
भूतः भूत भूत वीत न ॥ ५९ ॥ भूत भूत  
भूत भूत यथेते भूत भूत न न न ॥ ६० ॥ भूतः भूत  
भूतः भूत भूत न न न प न न ॥ ६१ ॥  
मरी र के म न न न न न न न न न  
क ॥ के मी की न न न न न न न न  
मी य न ॥ ६२ ॥ न न न न न न न न  
न न न न प चरी ॥ के ली के न न न  
न न न न न न न न न न ॥ न न न  
क प न न प न न न न न न न न



८८ वयसि मधुसूदने मधुनिमधु  
 येः॥७॥ उहं मधुयभाष्टाहृतीव  
 मभनेदग॥ कष्टमेभीमदगलक  
 मयतीदिभायलभा॥७॥ नेवतादा  
 कृपिदुपंरुपुंकेनपिदुमभ॥ सुय  
 उंकष्टमेदेवीगहृतांयभरसर॥ ७०  
 भीरुभतियाचङ्गीक मयतीदिम  
 भिषा॥ भउतिधुतिदेहेदुताकवदु  
 धुमदति॥७॥ यनिरुनिभयेग  
 लुनीनिवैरके॥ इलेहेउमभभुनि  
 भामुतेतानिउणदे॥७॥ सरवःम  
 भानीतेगलरुंभरदगता॥ पारिलउ

७०

मे.  
 भा.  
 ८३



उरुञ्जयं उषे वे सैः मन्त्रादयः ॥ ७८ ॥  
 दिभानेनं ममं यजु मउ डिपु डिउ रुने  
 रउ रुउ मिद नीउं यद भीपु उ मे रुउ  
 भा ॥ ७९ ॥ निठिरेष मज पदुः मम नी  
 उठने पुरउ ॥ कि लु किं नी द मे म वि  
 मल मभन पदु एम ॥ ८० ॥ कउं उ  
 वरुं गे रु कू उ न भ वि डि पु डि ॥  
 उषा ये भु उ न वरे यः पग भी रु ए पउः  
 म हे रु डि य न म म कि गी म रु य रु  
 उ ॥ पमः मलिल ग ए भु रु उ भु व प  
 रि ग दे ॥ ८१ ॥ निम भु भु वि ए रु सु म म  
 भु र उ ए उ य ॥ व डि र पि रु रु उ रु म



三  
十  
五



प्रेषितमुनद्वन्द्वकभभिदगतः॥१॥  
वृद्धकलःभवभयःभक्तदेवयेरि  
॥॥निलिङ्गपिलदेष्टरिःभयम्भ  
मृष्टपुत्र॥॥॥भभैलेकुभपिले  
भभमेवचमत्रगः॥यल्लकगत्रं  
भवत्रपञ्चभिषकुषक॥॥॥इले  
कुवग्गुनिभभवष्टुमेधतः॥उषेव  
गल्लगुमल्लुंमेवेकवादनभ॥॥॥  
कीरिदभभनेकुतभचुग्गुमभभैरेः॥  
उमैम्वभभंल्लुतदुलिपतिभभदि  
उभ॥॥॥यनिगत्रुनिमेवेपुगत्रुचेपु  
रगोपुम॥॥॥गुग्गुतनिकुतनिङ्गनिभये



वमेठने००॥ श्रीगुरुं दं देविलेके  
 भट्टभदेवयभा॥ भट्टभभट्टपगसु  
 योउगुरुलेवयभा॥ ०३॥ भं वं भं मं  
 वं भिनिभभभनविभभ॥ कलं  
 मल्लपगिगुरुं भिवेयतः॥ ०४॥  
 पगेभसुदभडलं भुमेभदुगिगुदं  
 तडदुदुभभलेभुभदुगिगुदं वृत्तं॥  
 पविनवम॥ ०५॥ उदुकाभडलेदेवी  
 गभीगुः भिडलगे॥ दनकगवडी  
 कदुयेयेदं दडेलागड॥ ०६॥ देवुव  
 म॥ ०७॥ भट्टभकुं दयनं भिष्टाकिष्टि  
 इयेमिडभा॥ इलेकापिभं भुनिभ

०८

दे  
 भा  
 ८५



भस्त्रापिठामः॥०३॥ किं दृश्यति  
 लुंभिष्टुडिउयेकवभ॥ मूयडभ  
 लवृदिदृडिहूयभयहड॥०७॥  
 येभंलयडिभसूभयेभेदंवेपद  
 डि॥येभप्रतिवलेलेकेभमेकडुठवि  
 प्रडि॥१॥ उमगमुडिभभेइनिभभे  
 वभदभरः भंलिदकिडिरे॥०४॥  
 पलिगहूउभेलभ॥१०॥ उउउवम  
 चवलिप्रभिभेवेंदेविदुदिभभग  
 डः॥ इलेकेकः प्रभंभिपुमरेभभ  
 निभभये॥११॥ चवेधभपिदेहने  
 भवेदेवनेवेयणि॥ डिप्रुडिभभपादे



विकिं ३५ः श्री ह मे कि क ॥ ३५ ॥ ७३  
 दृः भ क ल मे व भु भु दे धं न भं युगे ॥  
 म भु दी नं क षे उ धं श्री ३५ भु मि भ  
 भु प भ ॥ ३५ ॥ भ ङ ग सु भ ये वे ऊ प  
 वुं म भु नि भु भु ये ॥ के स क दू नि वु  
 उ गे र व ङ ग भि भु मि ॥ ३५ ॥ मे व व य  
 म व भे उ दु ली म भु नि भु भु डि वी द व  
 न ॥ किं के ग भि ३ डि लु मे य द न ले मि  
 उ ३ ग ॥ ३५ ॥ भ ङ ग सु भ ये ऊं उ य मे उ दू  
 व भ मि उ ॥ उ य य दू म रे दू य म य  
 दुं के र उ उ ॥ ३५ ॥ ७३ ॥ ७३ श्री भ क ७  
 य ३ ग ॥ भ वी लु के भ वु उ रे मे वी भ

३१

दे.  
 भा.  
 ७३



कहुहुउभंवर्येनभपल्लभेष्टयः॥५॥  
उतेलङ्गीभुजं॥५॥ रुडीयमरिड  
भुनदुधविःभरभुडीदेवउ॥सत्रभूध  
रुः॥ कीभमक्तिः॥ रुभगीवील॥भुद  
भुजं॥भभेवरभयीप्रतिःभकलक  
भनभिदुजं रुडीयमरिड॥५॥विनि  
योगः॥५॥ उधरुमुलदलानिमल  
भभलेमरुणःभयकंदभुलैदण  
डीधनउविलभमपुडीउंमुडलुध  
भा॥गीरीदेदभभुवंत्रिलगडभ  
दरहुडभदप्रवभरभरभुडीभरु  
लेभभुमिमेष्टिनीभा॥५॥धिरुवप॥



त्रिः॥ कलुवमेदेवः भमुडेकदु  
 रिउः॥ मभगधुमभगधुमेदुगलय  
 विभुगउ॥ ३॥ उभुमुउभुउदुभु  
 कलुभगदुउः॥ भउः॥ उदमेदु  
 नभठिपंप्रभुलेमनभ॥ ३॥ दिप्रभु  
 लेमनमुदंभुमेदुपरिवरिउः॥ उभ  
 नयवलदुधुंकेसकदु॥ विभुल  
 भ॥ ३॥ उदुगिदु॥ दः॥ कलुदुमिरे  
 डिधुडेपरः॥ भदुउदुभुगवपियदे  
 गनुचगवव॥ ५॥ उधिरवण॥ उना  
 लुउभुउभुलंभमेदुप्रभुलेमनः॥  
 उउधुधुभदभ॥ ७॥ भभग॥ ७॥ दुउ

॥  
 भ.  
 ८१



यये ॥ १ ॥ भद्रं पुं उं उं देवी उदि नम  
 लभं भि उम ॥ २ ॥ एगये सुय दी डि प्र  
 ले भ भु नि भ भु ये ॥ ३ ॥ न मे दी व दृ  
 क व डी भ दृ डार भ पे ध डि ॥ ४ ॥ उं उं व ल  
 ज य भु ध के ध क द ॥ ५ ॥ वि द्रु ल भ ॥ ७ ॥  
 मे दृ व म ॥ ८ ॥ मे हे सु र ॥ ९ ॥ र दि उं व ल  
 व व ल भं व उः ॥ १० ॥ व ल व य भि भ भे वे  
 उं उं भु किं क र भु द भ ॥ ११ ॥ ८ धि र व म ॥  
 उं दृ कः भ दृ ण व ड भ भु र प्र भु ले म नः ॥  
 दृ दृ र ॥ १२ ॥ व उं क भु भ भु क र भि क उ  
 उः ॥ १३ ॥ न व दृ दृ भ भु मे भु भु म ग ल  
 उ व भि क ॥ १४ ॥ व व दृ भ य के भु भु भु भु



मक्ति परबुष्टे ॥ ०८ ॥ उडेवउमः केप  
 हुन नमं भैरवम ॥ ५५ ॥ उभरमेन  
 ये भिंदे मेव भवदन ॥ ०५ ॥ कं वि  
 हुन पदरे ॥ मेव न भुनय पगन ॥  
 सुहृष्टमरे ॥ मेव न भुनय पगन ॥  
 गन ॥ ०५ ॥ केपं मिष्टय मभनपैः  
 केपुनिके भगी ॥ उषउल पदरे ॥  
 मिष्टमिष्ट उवाचुषक ॥ ०५ ॥ विष्णु  
 वरुमिरभः हुन भुनउष पगे ॥ ५५  
 मरुणिके ॥ ०५ ॥ मेव पं पुडे के भवः ॥ ०५  
 हुन नउ हुल भवै हुये नीउं भव हुन  
 उने के भवि ॥ ०५ ॥ मेव वदन न उके पि

मे.  
 भा.  
 ८५



न॥०७॥सूक्तमभंगदेवनिदंतु  
भूलेयनभ॥वलमद्वापितंतुदेवी  
केभरि॥३३॥मुकेपदेष्टाणि  
तिःभभुः॥३३॥मुक्तिगणः॥सुष्टुपय  
भभमउमभुमभुमभुमभु॥३०॥  
देमभुदेमभुवलेवृद्धिःपरिवारि  
३॥गयुतंतुगहउमभभनीयतंल  
५॥३३॥केमेष्टुवृष्टुवयदिवःभ  
मेयष्टु॥उमेष्टुयैःभचैरभैवि  
निदतुम॥३३॥उभुदतयंदष्टुयं  
मिदेमविनिपति३॥मीभभगभुतंतु  
दुग्दनीदतभभभिकभ॥३५॥३३



दे.  
भा.  
६७



वभिः उभा ॥ भिन्दु प रि मै ले न्मु म्मे  
भदतिक ज्ञेने ॥ ७ ॥ उ न्मु धु उं भ भा ण उ  
भृ भं म्मु न्मु उः ॥ सु न्मु ण प मि  
द ग भु व ते उ न्मु भी प गः ॥ ८ ॥ उ उः के प  
सु क रे सै र भु क उ न्गी न्मु ति ॥ के पे न  
म भु व न्मं भ धी व ल भ न्मु उ म् ॥ ९ ॥  
हू ऊ णी ऊ णि ल उ भु ल ल ण ल  
क न्मु उ भा ॥ क ली क ग ल व न्मं वि  
नि भू उ भि प मि नी ॥ १० ॥ वि मि ड्ण ड्  
ड् ण र न र भाल वि न्मु ध ॥ ११ ॥ ड् पी म  
म प री ण न म्मु भं भ ति ठै र व ॥ १२ ॥ सु  
ति वि भु र व न्मं रि न्मु ल ल न की ध



ॐ॥ निभग्ररुनयननमप्रतिउमि  
 दुप॥३॥ भवेगेनकिपडिउप्यउय  
 त्रीमदमरन॥ भेदेउमरगी॥ मरु  
 हयउउलभ॥७॥ पडिगदकुम  
 रदयेपपडमभत्रिउन॥ मभम  
 येकदमेनभोपेमिहेपवर॥७॥  
 उषेवयेपंभुरगैरषकुगविनभद  
 निदिप्रवकुममेनसुचयतुडिठैरव  
 भ॥१०॥ लकेलरदकेमेपुगीवय  
 भषयपरभ॥ पमेनरुपुमेवतुभ  
 रभतुभपेषयउ॥११॥ उमकुनियम  
 भूमिभदभूमिउषभैर॥ भोपेन

मे.  
 भा.  
 ५०



एगददधममैद्विउवृपि॥०३॥  
वलिनंतडुलेभवमभग॥०४॥  
न॥भमभककयसुवृनतुंसुउरु  
यउष॥०५॥चभिननिदडःकेमि  
केमिहृदुदुडमिडः॥एगदचिनम  
भभगदकुगुठिदडभुष॥०६॥क  
नडडुलेभवमभग॥०७॥निपडिउभा  
रुधुमडिठिदुवडंकलीभडिठी  
ध॥०८॥मगवैद्वदकीभैठीभा  
कीडंभदभगः॥कदयभभयउसु  
भडिठिपैःभदभमः॥०९॥डनिमरु  
हनेकनिविमभननिउदुपभ॥१०॥



कुदषकृविशुनिभरुनिअनेदरभा  
 उतेलदभडिरुषकीभंकेरवनादिनी  
 कलीकरलवकुतुमुदममनेल्ल  
 ल॥०७॥ उकुयमभदमिंदेदीमकु  
 भणवउ॥ गदीद्वयभुकेमेधुमिरभे  
 नभिनमिनुत॥१॥ मषभदेहुणव  
 इंदधुमइनिपाडिउभा॥ भुइंमभ  
 भदवीदंदिमेकेलेठयाउउ॥११॥ उं  
 मपुपाउयदुभेगपुल्लठिदउंरुष॥१२॥  
 दउमेधंभदभेइंदधुमइनिपाडिउं  
 मिरसुइभुकलीगगदीद्वभेइंभे  
 वय॥ रदधुमइइदुलभभिसुभेइइ

मे.  
 भा.  
 ५०



मङ्गिकभ ॥१३॥ मयउवडे पदुडेम  
मभदेभन पम् ॥ मयुयलेभुयंभ  
भुनिभभुमदनिष्टमि ॥१४॥ पविनव  
म ॥१५॥ उवनीडे उडेम धुमभभु  
भनभगे ॥ उवमकलीक लुमीम  
मि<sup>क</sup>ललिउवमः ॥१६॥ यभभुभुमभ  
भुमगदीवभुपगता ॥ यभभुडेति  
उडलेकेष्टाडेविठविष्टमि ॥१७॥ उ  
डिमीभकुडेयपगले भावलिकेभभु  
उरेदेवीभादेडेमभुभुवठेनभम  
भुभेष्टायः ॥१८॥ उनगणीभुगविष्टुं  
दिलिके उभेनगवलीठभुदेद।



लउं विरु कर निठं ने इये दृभिउं॥  
भाल ऊ भूक पल नीगण करं म॥  
मूरभालि पगं भव ह्ले सुगे के रव दू॥  
निलयं पद्म वंती मित्रुये॥ पवि मव  
म॥०॥ पदे मनि दउं दै दृभ जे मवि॥  
निपडिउं॥ वरु ले धुम भै दृभ दृयिउं  
धुमगे सुगः॥३॥ उउः के पपग पीन मे  
उः भभुः पउ पवन॥ उदृगं भवे भै॥  
दृनं दै दृन भदि मे मभ॥३॥ सुदृभ  
वरले दै दृः धरु मी डि म म गुणः क  
धुनं म डग मी डि डि द उधु वले दृउ॥  
के दि वी दालि पद्म म म म गं उल

म०  
भ०  
५३



निम॥ मउं ऊल निठि भूँ निन मुउ  
भम॥ लय॥ कल कले रुम भि  
दाः कल के य भुव भराः॥ सुहृ यम  
हुनि दा नु इ रि उं ते भम॥ लय॥ ७५  
हृ३ भु र प डिः भि भु कै र व म भ नः॥ नि  
ल ग भ भ द भे र भ द भे उ रु कि च उः॥ ७  
सु य नु म डि क र्मु उ डै र भ डि ठी थ  
॥ भ॥ हृ भु नैः प्र य भ भ ठ र ॥ नी ग  
ग न नु र भ॥ ७५ उ उः भिं रु भ द न द भ  
मी व द उ व नु प॥ ७५ भु नै न उ न र्द  
म डि क र्मु प दं रु य उ॥ ७॥ उ उ हृ भिं  
द ७५ न न द प्र रि उ दि द्वा प॥ नि न



देहीधनेः कालीलिष्टेविभुगिडन  
 न००॥ उत्रिनमभपमूइमैइमैइम  
 उद्रिमभा॥ देवीभिंदभुषकालीम  
 र्धेः परिवारिडः॥००॥ एउभिन्नउरे  
 कुपविनामयभगद्विषभा॥ ठवया  
 भगभक्षनभडिवीदवलत्रिडः॥० ११  
 वक्रमणदविभुनंतवेचभुयमकुयः  
 मरीरेष्टेविनिष्पुडदूपेसुडिके  
 ययः॥०॥ यभुदेवभुयदूपंयषकु  
 धन॥ ददनभा॥ उद्रुमेवदिउसुकि  
 रभगद्विभुभायये॥००॥ देभयुक्त  
 विभनभुभाक्षभुउकभदलभउ

दे०  
 भा०  
 ५३



यत्तु वृद्धः मक्ति वृद्धः मक्ति वृद्धः मक्ति वृद्धः  
 येते ॥ १०५ ॥ भदे सुगीठ पदु रिकुल  
 वरणि ॥ भद दिवलय श्रुम  
 न्नेलाण विदुषः ॥ १०६ ॥ के भगीमा  
 क्रिद भुम भयुरवर वादन ॥ येदु  
 महय ये मे दृन भिक गुरुदुपि ॥  
 उषे व वैलु वी मक्ति न मने परिभंभि  
 डा ॥ मद्र यद्र गम मद्रापद्रुद भुदु  
 पायये ॥ १०७ ॥ एले वगद भडलेद्रुपं  
 य विहृतेदरे ॥ मक्ति भद्रायये उर  
 वगदी विहृती उरभा ॥ १०८ ॥ नरभिं  
 दीन भिंद भुविहृती भद्रमेवः श



५३३ भल्लोपदि पुनह इमं दडि ॥ ३१ ॥  
 वरुणमु उषे वै मी गल गले परि ।  
 भिः ॥ ३२ ॥ उ म न य न य व म न  
 भुषे व म ॥ ३० ॥ उ उः परि द ड ड किरी  
 म न दे व म कि किः ॥ द व उ म भु र  
 मी यं म म शी द म डि क ॥ ३३ ॥ उ उ  
 दे वी म गी र ड वि नि पू उ डि की प ॥  
 म डि क म कि र ड म वि व मि उ नि ।  
 न दि नी ॥ ३३ ॥ म म द उ भू ल टि ल  
 भी म न म प र लि ड ॥ उ उ डं ग मु क  
 ग व द मुं मु भु नि म भू ये ॥ ३५ ॥ कु  
 डि म भुं नि म भुं म न व व डि ग चि

दे.  
 भा.  
 ५८



उ॥ येम त्रेय नव भुइय दूय मभय  
 भिउः ॥ ३ ॥ ऐलेकु भिइल रुउं देव  
 भनुद विदुलः ॥ पुयं प्रयाउ पाउलं  
 यदिएली विउ भिमुष ॥ ३० ॥ वलव  
 लेप मय मेदु वउ यदु ककु ॥ ३१ ॥  
 दग मुउरु प्रनु भिमुवः पिमिउ नवः  
 यउ नियुऊ देउ नउ यमेव मिवः भु  
 यभा ॥ मिवदु डी डिले के मिं भुउः  
 भापु डिभा गउ ॥ ३२ ॥ उधि मूह वमिदे  
 वः मिवपु उं भन भगः ॥ मभदु  
 रिउल गूद रुक दयनी भिउ ॥ ३३ ॥  
 उउः प्रभ मभेव येम गम दू धिय धि



किः ववदुनहुतामदभुंमेवीमभरा  
 यः॥३॥भामतादुदिताव॥३॥सुलम  
 इपरमुणन॥यिमुदलीलयपुउठ  
 उदुकेदेधुकिः॥३॥३भुपउभुतः  
 कलीमुलपउविदरितन॥पु  
 इपेपिउंमुगीकुचरीवमरुद॥३॥  
 कभ॥दुलएलहेपदउवीदरु  
 एम॥३॥वुक्र॥गीमकरमुदुतेनये  
 नभुणवडि॥३॥भदेमुगीरिमुलेन  
 उषमने॥वेसुवी॥देदलपान  
 केभगीउषमकुडिकेपिउ॥३॥त  
 मीकुलिमपउतेनमउमेदेदनवः

दे.  
 भा.  
 ५५



पेडचिरुगिडाः ५ पुं नठिने ५ ५ वधि  
... ॥ १५ ॥ ड ५ ५ द ग वि प्र मु यं ५ ५ ५ ५  
उवहमः ॥ व ग द प्र हृ वृ प उं सु रे ॥ ५  
विरुगिडाः ॥ १५ ॥ न णे वि रु गि डं सु वृ  
ठ ह य डी भ द भ ग न ॥ न र भिं दी य  
य गि रे न ग प्र ल णि ग तु ग ॥ १५ ॥ ५  
५ ५ ५ ५ मे ५ भ गः मि व डु वृ ठि डु पि  
डाः ॥ पे डः ५ वि वृं प डि डं भुं सु ण द  
व भ डु द ॥ १५ ॥ ड डि भ र ग ५ ५ ५ ५  
भ र य तु भ द भ ग न ॥ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५  
वि वि णे डे सु रे व रि भै नि कः ॥ १५ ॥ ५  
ल य न प र ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५



५०



[illegible]



पमभाविष्ठे रक्तावीले मदन भगः ॥ ५॥  
 उभृद उभृद रुणमक्ति कुल पिठि  
 कुवि ॥ ५५ उये वै रक्ति भुन मस्त  
 उमे भगः ॥ ५० ॥ उे भग मस्त भुने  
 रभृद रणिले एगउ ॥ ५५ ॥ उम भोउ  
 उमे वरुय भाल मस्त भुने ॥ ५१ ॥ उ  
 विपल्लु मस्त भुने मस्त भुने  
 भग ॥ उव मस्त लीम भुने वि  
 भिल्ल वरुय भग ॥ ५२ ॥ भग भुने  
 भग भुने रक्तावीले मदन भग ॥ ५३ ॥  
 विपल्लु मस्त भुने वरुय भग ॥ ५४ ॥  
 उव मस्त लीम भग भुने उव मस्त लीम भग

५५  
 ५६  
 ५७

५८



१॥ एवमेव यद्येहः कीर्तिरुचिष्ठ  
ति॥ १॥ रुद्रभा ॥ भुयसि एतमेव  
दुष्टिमापे ॥ २॥ रुद्राङ्गुतिरेवीमुले  
न किल पात्रत ॥ १॥ भूपेन कली  
एतदेव रुद्राङ्गुतिरेवीमुले ॥ ३॥  
भाव एव पात्रत ॥ ४॥ यत्तु  
भा ॥ १॥ नमः भुवेन नमः रुद्राङ्गुतिरेवीमुले  
पतिरुद्राङ्गुतिरेवीमुले ॥ ५॥  
तुव रुद्राङ्गुतिरेवीमुले ॥ ६॥ यत्तु  
तः भवत्तु ॥ ७॥ रुद्राङ्गुतिरेवीमुले  
भूपेन भुवेन रुद्राङ्गुतिरेवीमुले  
१॥ १॥ रुद्राङ्गुतिरेवीमुले



उभयमेव उभा ॥ देवी सुलेनवले ॥  
 ॥ वल्ले रमिनि विष्णु निः ॥ ७ ॥ ए ॥  
 पानरकुवी लंउं मभु पीउमे ॥  
 उभा ॥ मपपउमदी पमुमभुमं दति  
 उदउः ॥ ७० ॥ नीरकुसुमदी पलरउं  
 वीलेभनभरः ॥ उउमुददुभडलभ  
 वपभियमम ॥ ७१ ॥ देउउमि ॥  
 ॥ गलेननकुम ॥ ददुः ॥ ७२ ॥ उति  
 मीभक ॥ ययगले भवलि केभउ  
 उगेदेवीभन ॥ देरकुवी एवणेनभा  
 मुमेष्टयः ॥ ७३ ॥ उिवनुकक ॥  
 कंदुमिरदुभलं पमकुम ॥ यवभं

दे.  
 भा.  
 ५६



निलरुद्रः॥ विहृ॥ मिहृमा  
कलरुद्रः॥ विनेउमराभिकेसमनिसे  
वपगम्याभि॥ गलेवम॥ विवि  
मिहृमिहृमाष्टउंरुगवकुवडाभम॥  
देवृमृगिउभादुंरुगवीएवणमि  
उभा॥३॥ कृयमेकृष्टुंमउंरुगवीए  
निपडिउ॥ मकरभुकेयकुदनिभभ  
मृडिकेपनः॥ ५॥ पविमवम॥ ८॥ य  
करकेपमडलंरुगवीएनिपडिउ॥  
मभभुकेनिभभुमृदउंरुगवीए  
वे॥ १॥ कृयमनंमदमेहंविहृमभ  
महदन॥ पुठिणवविभभुषभाष्टय



भग्मेवय ॥ ३॥ उभृगुभृष ॥ ५॥ पुपात्र  
 येनमनमः ॥ ३॥ भृषुभृषुः ॥ ३॥  
 ननुदेवीभयपः ॥ १॥ पुलागममन  
 वीदः ॥ भृषुभृषुलेचः ॥ ३॥ निननुय  
 डिक्केप ॥ ३॥ पुपुउभा ॥ ३॥ ३  
 उपुभृषुभी ॥ ३॥ भृषुभृषुः ॥ ३॥  
 मरवभृषुवि ॥ ३॥ भृषुभृषुः ॥ ३॥  
 मिषुभृषुभृषु ॥ ३॥ भृषुभृषुः ॥ ३॥  
 रिकैः ॥ ३॥ भृषुभृषुभृषु ॥ ३॥  
 रभृषुभृषु ॥ ३॥ निभृषुभृषु ॥ ३॥  
 मद्रय ॥ ३॥ भृषुभृषुभृषु ॥ ३॥  
 भिदं ॥ ३॥ भृषुभृषुभृषु ॥ ३॥

३.  
 भ.  
 ५७



उवादनैदेवीङ्गरशी॥७॥मिभुभुभा॥  
निभभभुसुमिमुदयद्रयप्रभुयद्र  
कभा॥०॥कित्रेयद्रपिपद्रुममक्ति  
मिहेपमेभरः॥३॥मप्रभुद्रिणयद्र  
मद्रु॥७॥किभुपगडभा॥०॥किपद्र  
उनिभभेवकुलेणनननव॥॥  
सुयत्रुभपिअउनेदेवीउसुप्रभु  
रुयद्र॥०८॥सुविष्टवगदंभेपिमि  
हपयद्रिकं५॥३॥मपिदेवद्रिमुले  
नकित्रकभुद्रुमगड॥०९॥उतःपरसु  
नभुंउभयत्रुदेहप्रभुवभा॥सुनहदे  
वीर॥॥पेरपडयद्रुतले॥०९॥उमि



विपडितेकुभेनिभमकीभविउभ॥६३  
 दडीवमंरुः॥४॥ययेदनुभभिकभ॥ ७१  
 मगवभभमइसुनदीउपरभायुपैः॥  
 कुलैरभूठिरउलेचुष्टमेधंनकेवके ७२  
 उभायउंभभलेकुमेवीमरुभवाम  
 यउ॥६॥मवंगपिणत्रधसुकगरीव  
 दुःभदभा॥७॥प्रयभाभककुठे  
 निलयउभुनेनय॥मभभुमेइमेउ  
 नउंलेवणविणयन॥३॥उउःमिदिभ  
 दनमेभृणितेठभनभमेः॥प्रय  
 भाभगगनंगंउंवेवदिमिम॥३०॥  
 उउःकलीमभइइगगनंङ्गाभउरु

॥  
 ॥  
 ॥



यडा कगहंउविनमेनरकुनभेडि  
 रेदिउः॥१॥ यडुदुदभभमिवमिव  
 डरीमकरद॥३॥ सवैरभभभुमःभा  
 भःकेपंपरयये॥१॥ दुगदंभुभुडि  
 भुडिदुलदगभिकयम॥ उदुलये  
 दकिदिउंमेवैरकमभभुडिः॥३॥ भ  
 भुनगदयमकिदुदुलडिडीध  
 ॥१॥ सुयडीवकिकुलभभनिरभुभ  
 दिचुय॥१॥ भिदरमेनभभभुदु  
 ॥१॥ उंलेकरयत्रभ॥ निजुउनिःभुने  
 भिरेणउवनवनीपेउ॥१॥ भभभुदु  
 ॥१॥ द्दुगदेवीभभभुदुदिउदुगन॥ मि



धेनुधुमैरुगैः मउमेवमरुभूमः ॥३१॥  
 उउः भामिदुकरुद्रुमुलेनठिएष  
 नउभ ॥ मउरुकिदेउकुभेभुक्तिउनिप  
 पउरु ॥३॥ उउनिभुभुः मभूयुयेउन  
 भउक रुकः ॥ सुएषानमैरुदेवीक  
 लीकेभरि ॥ उष ॥३७॥ पनसुनद्वन  
 रुनभयउंभनएषुग ॥ मरुयेउनदिदि  
 एषुमयभभमिदुकरुभा ॥३॥ उउरु  
 गवडीरुद्रुद्रुनद्वनठिनमिनी ॥ मिष्टे  
 मउनिमरु ॥ भुमैः भयकं सुउन  
 उउनिभुभुवेगेनगरुभरुयमदिदुके  
 मरुणवउवेदनुंमैरुभैरुभभठउ ॥३॥

३०॥

३॥

दे.  
 भा.  
 ७०



उभृपउउसवसुगमंमिष्टेदमाङ्क  
 पङ्गेनमउणरेभमकुलेभभासठे  
 कुलदभुंउभायउेनिभभुभभासठे  
 भा॥हृमिविदुणकुलेनवेगविष्टेन  
 मङ्किक॥३८॥ठिउभृउभृकुलेनहृम  
 यानिभृउेपरः॥भदठलेभदवीदा  
 मिष्टेउिउेपवमन॥३९॥उभृनिभृभ  
 उेदेवीरदभृभनवउउः॥मिरमिष्टेद  
 पङ्गेनउेभवपउकुवि॥३९॥उउःमि  
 दसुपमिगंयूहु॥मिरेणन॥  
 सभगभुंभृषकलीमिवउषपर॥  
 न॥३९॥केभगीमङ्किकिठिःकेमि

३३॥



॥८८॥

त्रेसुद्रकभरः॥ वक्रलीभत्रपुत्रेनडेये  
नट्टेनिरुद्धः॥३॥ भक्तसुगीरिसुले  
नक्तिवःपेडभुषपरे॥ वरलीडः५।  
अडेनकेमिसुलीरुडकुवि॥३७॥  
पः५। पः५। यः५। वैरुवृमनवः  
रुडः॥ वः॥ येदीकभगविभजेन  
उषपरे॥८॥ केमिद्रिनेसुभरःके।  
मित्रधुभरुवरा॥ रुद्रिडः५। पः  
कलीमिवदुडीभगपिपः८०॥ ५।  
मीभक्तदेयप्रभारुकेभत्रु  
रेदेवीभक्तुनिभक्तवरेनभनवमे  
प्रायः॥७॥ ३। ३। ३। ३। ३। ३। ३। ३। ३। ३।

म.  
भा.  
७७



मृद्विनेरंणनः मरुतकुमकमपा  
मान॥ गृहेकुले सुदण्डीमिवमक्रि  
पं॥ कभेयुंगीहृदिठलीमिदेउकुले  
पाभा॥ दधिरुवाम॥०॥ विनिभभुनि  
दउंरुधुहृउरंरुमभुउभा॥ दनुभ  
नेवलंमैवभभुः कृद्विवीदुयः॥३॥ व  
लावलेपादुधुहंभादुनेगचभावदे  
पट्टाभंवलभमिहृयुधुमेयाकिभा  
निनी॥३॥ मेवुवाम॥८॥ एकैवदेणग  
हृदिडिडीयाकभभापग॥ पमेउद  
धुभयेवविमनुभद्विकुउयः॥५॥ उउभ  
मभुभुदेवुवक्रुमीरभापलयभा॥



दे.  
भा.  
७३



निपरभेसुगी वरुल्ललीलेयेवेगद्ग  
 क्खेसुगग्गिदिदिः॥०॥उतःमग्गमेउउ  
 वीभग्गुग्गयउमेभग्गः भग्गिउउग्गिउ  
 मेवीउउग्गिउग्गुग्गमेधुदिः॥०॥किउ  
 उउग्गिमेउउग्गुग्गमग्गिभग्गग्गुग्गि  
 मेग्गुग्गमेवीमग्गुग्गग्गग्गग्गुग्गिउ  
 भग्गुग्ग॥०॥उतःग्गुग्गभग्गग्गग्गग्गग्ग  
 मेग्गग्गग्गग्गग्गग्गग्गग्गग्गग्गग्गग्ग  
 नभग्गिपेसुग्गः॥०॥उग्गग्गग्गग्गग्गग्ग  
 गग्गग्गग्गग्गग्गग्गग्गग्गग्गग्गग्ग  
 उउग्गग्गग्गग्गग्गग्गग्गग्गग्गग्गग्ग  
 उग्गग्गग्गग्गग्गग्गग्गग्गग्गग्गग्ग



एमदभंनरंभधिकनिठनेहउः॥९९॥  
 मिमुदपउउमुभुभनरंनिमिउःमैः॥  
 उषपिमेहणवडंभधिमहभवेगा  
 वन॥१०॥मभधुिपउयभमहृद  
 येदेहपुवः॥देवभुमपिमदेवी  
 उलेनरभुडकयउ॥३॥उलखदर  
 ठिदउनिपपउमदीउले॥मदेह  
 एमदभभनरेवउवेडिउः॥३०॥उ  
 पुहमभगहैसैदेवीगगनभभिकुः  
 उइपिभनिरणरयुयुउउनयडि  
 क॥३३॥निशुडंणेउरुदेहसुडिक  
 यपरभपरभ॥यडुः॥षभंभिहभ

म  
 भ  
 ७८



निविभयकरकम॥३॥उतेनियमुंभ  
मिरंढइतेनभिकमन॥उदृष्टम  
यभममिहेपण॥उले॥३॥म  
दिपुण॥३॥प्रभभिमृष्टवेगः  
मृष्टवउमृष्टमिहकनिणेषु  
य॥३॥उभयउंउमेवीमवेमेह  
एनेसुभ॥एगहंपउयभमकि  
हमुलेनवहमि॥३॥मगउमः५॥  
पउिचूंमेवीमुलागविहउः॥मलय  
मकलं५॥प्रीमविप्रीपंमपचउ  
म॥३॥उउः५॥मत्रमपिलंदउउमि  
मृगमि॥एगहृमुभडीवपनिम॥



लंम रुव वरुः॥३॥ उदु उमे पः भे  
लुये रग भंभे मभंययः॥ भगिउ भ  
नव दिवृ भुम भंभु र पा डिउ ॥३७॥  
उउमे वगः॥ भवे दद निदु र भ न भा  
वकु व डिउ उउ भि न व ल लिउं ए  
गुः॥३॥ सुव मयं भुषे व रे न च उ सु  
भे र गः॥ व वः र ह भुष व डः भ  
पुठे कु दिव करः॥३०॥ ए ड ल सु य  
यः मा तुः मा तु दि सु नि उ भु न ॥३३॥  
उ डि मी भ कु रे य भ भ व लि के  
भ त्र उ रे मे वी भ द रे भ भ व ण न भ म  
म भे पृ यः॥३०॥ डि उ द्दि न द्दि डि भि म

: ॥

दे.  
भः  
७५



किगीछंडुङ्गकुंनयनइयपुऊभा॥  
मेरभांपीवरमङ्गसपमकीडिकरं  
प्रदुलेहुवनेमीभ॥८॥विदवाय॥०॥  
उिदेवृद्धतेउरभदभेरेकेमेदूःभ  
गवद्रिप्रेगभभुभ॥कट्टयनीउ  
ध्रुवगिधूलरुद्रिकभिवक्तविक  
भिडमः॥३॥देविप्रपत्रादिदोर्भी  
दप्रभीदभउलगडेपिलभु॥प्रभी  
दविसेमुनिपादिविषंदभीपुरीदेवि  
यरयरभु॥३॥मुणारकुडालगतभु  
भेकभदीभुकुपेल्लयतःभित्तभि॥  
मपंभुकुपभित्तयद्वयेउदष्टयुतेह



द्रुमलघुवीदे॥८॥ इवैल्लवीमज्जित  
 त्रुवीदविमृष्टीएंपरममिभयः  
 मेमिदिउंमेविममभुमेउंवेरपत्र  
 कुविभक्तिदेउः॥५॥ विष्टःममभु  
 भुवेमेविठेदःभियःममभुःभक  
 लालगङ्गा॥ इयेकयप्रितभभुयेउ  
 कुउमुतिःभुवृपरपरेक्तिः॥५॥ भव  
 कुउयददेवीकुक्तिभक्तिभययिनी  
 इमुउभुउयेकवठवतुपरभेक्तयः  
 भवभुवदिकुप॥ एनभुहृदिभेभि  
 उ॥ भुजापवनमेदेविनागया॥ न  
 भिभुउ॥ गकलकधूमिकुप॥ ५॥

दे.  
 भा.  
 ७७

१॥



गि० भ० यिनि॥ विम० भु० प० र० म० के०  
 न० ग० यि० न० भे० भु० ७॥ भ० च० भ० म० ल०  
 भ० म० ले० मि० वे० भ० च० भ० म० ण० के०॥ म० ग० टे० ह०  
 भु० के० ग० रि० न० ग० यि० न० भे० भु० १०॥ भ०  
 भु० मि० भु० डि० वि० न० म० न० दे० ड० ह० उ० म० न० र० ने०  
 गु० ७० म० ये० गु० ७० भ० ये० न० ग० यि० ॥ १००॥  
 म० ग० ७० ग० ड० मी० न० ड० प० रि० ह० ७० प० ग० य०  
 ले० ७० ग० ड० क० ग० ले० दु० जे० न० ग० यि० ॥  
 दे० भ० य० क० वि० भ० न० भे० च० ह० ७० क० प० ण० रि०  
 ॥ के० म० भु० ह० रि० के० दे० वि० न० ग० य० ॥  
 रि० कु० ल० प० ह० डि० णे० भ० द० व० ध० रु० व०  
 डि० नि० भ० दे० सु० गी० भु० क० पे० ७० न० ग० य० ॥ १०८॥

भ० च० भु० डि० न० म० रि०

०३॥

॥

॥



मयुगकुक्कुटवतेभदमक्तिपरेनये  
 केभगीकुपंभकुनेनगयि॥०५॥  
 मल्लयकुगदमङ्गगदीउपरभयुठ  
 रभीयेवेह्वीकुपेनगयि॥०६॥  
 गदीउग्रभदमरेरुंष्टुउवभत्र  
 वगदकुपि॥मिवेनगयि॥०७॥  
 रुमिदकुपे॥ग॥देहृदुंउउष्टुमे  
 इलेहृद॥भदिउेनगयि॥०८॥  
 किरीटि॥भदवहृभदभनयने  
 हृले॥हृ॥देरैयेमिनागय॥  
 मिवहृतीभुकुपे॥हृउदेहृभदवले  
 पिरकुपेभदगवेनगयि॥३॥

दे.  
 भा.  
 ७१



मंभूकगलवदनेमिगेभालविदुष  
 ले॥माभुदेभदुमवनेनगयान्॥३०  
 लक्ष्मिललेभदविदुसकुपुषुभपे  
 वे॥भदगदिभदवीदेनगयान्॥  
 मेठभगभुतिवरेकुतेरुविडभमि  
 नियतेहंभीदेमिनगयान्॥नभेभु  
 ते॥३१॥भचभुकेपभवेमिभचमक्ति  
 भमत्रिते॥कयेहृभूदिनेदेविदुनेदे  
 विनभेभुते॥३२॥एतेदेवदनेभेभुले  
 यनश्यकुविडभा॥पाउनःभचठीडि  
 हःकट्टयनिनभेभुते॥३३॥इलक  
 गलभदुग्भमेवभगभुदनभा॥दि



कुलं पाउने की उठू कालि न भे भुते ॥  
 दिन भिदे उठे सं भि भुने न प्रदया ए  
 गउ ॥ भा ॥ ५२ ॥ पाउने दे वि फ प ह  
 नः भउ निव ॥ ३१ ॥ सुभर भ ग प प ह  
 य सिउ भे के ग ह लः ॥ सुभया प ह ह  
 वउ य दि के ह न उ व य भ ॥ ३५ ॥ ग  
 न मे प न प हं मि उ भू रु भू उ क भ न  
 पि ल न की भू न ॥ इ भ मि उ नं न वि  
 प न ग ॥ इ भ मि उ रु म प उं ५ य ति  
 ल उ ह उं य ह न न व य ह प ह दि पं दे वि  
 भ न भ ग ॥ ३७ ॥ इ प ग ने के व रु प  
 इ भ ति रु व भि के उ ह के ग ति क ह ॥

३७ ॥

३८ ॥

दे  
 भा  
 ५५



विष्टभमभेपुविवेकमीपेष्टुष्टु  
 केष्टुष्टुष्टुष्टु॥भभष्टुष्टुष्टु  
 केष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु  
 गङ्गासिष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु  
 दधुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु  
 भष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु  
 विष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु  
 कष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु  
 कष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु  
 नभः॥३॥देविष्टुष्टुष्टुष्टु  
 निष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु  
 भष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु



पे.  
भा.  
७७



देण्डायमेदगडुमभव॥उउभेनम  
 यिष्टमिविष्टुयलनिवमिनी॥८३॥  
 ५न१५डिरेदे॥कुपे॥५५विवीडले  
 सुवडीददनिष्टमिवैरयिडंसुदन  
 वन॥८४॥कडुयडुसुडनएवैरयि  
 डमदभन॥१३५डुडविष्टुडि  
 डिभीकुभुमेपभाः॥८५॥उउभंदेवडः  
 भुमेभडुलिकेयभनवः॥सुवेडुवृदरि  
 ५डिभडउंरकुडडिकभ॥८६॥कुयसु  
 मंडवडिकुभनडधुमनभुमिभुनि  
 ठिःभंभुडकुभुमभुविष्टुभुयनिस॥८७॥  
 उउःमेडनेन॥७७निगीदिष्टमियकुनी



न कीउपिष्टुत्रिमनःसुह्रीभिदि  
 भंडुः॥८॥उउदभपिलेलेकभड  
 मेदभभदुवेः॥कविष्टुभिभःसके  
 गदुष्टः॥९॥उउदभपिलेलेकभड  
 उविष्टुतिउमयभुभुदेडवि॥उउद  
 मदुनिष्टुभिदुनभाष्टुभदभभ॥१०॥  
 नतामेवीडिउविष्टुउउमेनभरुविष्टु  
 डि॥उउदभपिलेलेकभड  
 मले॥११॥उउदभपिलेलेकभड  
 सुक॥१२॥उउदभपिलेलेकभड  
 सुक॥१३॥उउदभपिलेलेकभड  
 सुक॥१४॥उउदभपिलेलेकभड  
 सुक॥१५॥उउदभपिलेलेकभड  
 सुक॥१६॥उउदभपिलेलेकभड  
 सुक॥१७॥उउदभपिलेलेकभड  
 सुक॥१८॥उउदभपिलेलेकभड  
 सुक॥१९॥उउदभपिलेलेकभड  
 सुक॥२०॥उउदभपिलेलेकभड

७॥

सुः  
 भाः  
 १॥



केमदवणंकविष्टि॥१३॥ उददं ह्रम  
 रंरुपंरुमभेयपदम॥ इलेहभृदि  
 उरुयवपिष्टमिभनभम॥१४॥ ह्र  
 भरीडियमंलेकभुमभेष्टिभचउः॥  
 उरुयदयदवणंरुवकुठविष्टि  
 उदउदवरीदंरुविष्टिभभुयम  
 उडिमीभकुडियरुगंभावलिकेम॥  
 वउरेदेवीभादुनरुयंभुडिउमे  
 कदमेष्टयः॥००॥ उविष्टुभमभ  
 रंरुभगपडिभुवृष्टिंकीपंरुकवृ  
 ठिंकरवल्लोपविल्लुमुठिगभेवि  
 उभा॥ देभुसुगदमिणेवमिपं

१८॥

१५॥



५०  
भा.  
१०



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
भुविष्टिः ॥ २ ॥ भगवते नमः ॥ ३ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥



छिष्टृष्टं श्रीष्टवक्रिमेभंउषाऊडा  
 भा॥१०१॥ सगकुलेमदप्रत्ययितयय  
 वद्विकी॥उष्टृभमेउऊदकुंमदुऊकि  
 मभविउः॥मचराणविनिदुऊणनण  
 उमभविउः॥मउष्टृभमदुभादेनऊवि  
 प्रुतिनभंसयः॥१०३॥ मूहभमेउऊदकुं  
 भदुडीसुउषासुऊः॥पराऊभंसयपुडेपु  
 एयेउनिदुयः॥भमन॥१०५॥ गिपवःम  
 दूयंयत्रिकलुलयेपपष्टे॥नऊडे  
 यऊलेपंभंभाऊकुंमभमउऊभा  
 सात्रिकदगिभचउउषादः॥पुप्रमन  
 ने॥पदपीनभंसयमभमदकुंमद

१०४॥

मे.  
 भा.  
 १३



यन्मभ००७॥उ५मत्तमभंयतिगुदपी  
नसुमन००॥दुःसुप्रमत्तकिङ्कुभ  
मुप्रथपस्यते००॥तलगुदकिङ्कु  
नंतलानंमत्तिकरकभ॥मदु  
ठेदेमत्त००भैरीकर००भदुमभ००॥  
दुत्तुनभमेप००तलननिकरप  
रभ॥गदुत्तुपिसायनं५०नदेव  
नमनभ०००॥मवेमभैउमदकुंभ  
मभत्रिकरकभ॥५मुप्रथउप्र  
पेसुगनेमीपैभुवेकुभैः॥३॥विश  
०००॥नेहैभैःरिहलीयैरद्विस  
मद्वैसुविविष्टैगैः५००॥मेचकुंभ००॥



५३



॥ ५५ ॥  
कूटनवस्तुष्टेवष्टेवगुगतेपिव ॥ ५५ ॥

ल्लितेववेतेनभिःपेतेभनलेवे ॥ ५६ ॥

पउवपिममेप्रमसुमेकममनले

मचराणभभिरभवेमनहृदिपि

व ॥ ५७ ॥ भभरमेतेसुगितेनेभमेतेभक

॥ ५८ ॥ भभरकवकिंनहृदमेवेवेवि

॥ ५९ ॥ भभरकवकिंनहृदमेवेवेवि

सुगितेभभ ॥ ६० ॥ टविकवम ३० ७५ ॥

कूभातेतेदेवीयष्टिकय ५ विरुभा

पसुतेमेवेदेवनंतेदेवतुगीयता ॥ ६१ ॥

तेपिदेवनिगउकःभुष्टिकगवृष ५५

यल्लुकागकुलभवेमरुचिनिहउरयः ॥ ६२ ॥



दैत्येयदेवनिन्देभुभुदेवगिपेयुति  
 एगदिप्रभकेडभिभुदेगेडलविभुमे  
 निभुभुयभदवीमेधःपाडलभाय  
 युः।।सवेठगवडीदेवीभानिहपिप्रनः  
 प्रनः।।३५॥भभुयऊरुडेकुपएगडः  
 परिपालनभा॥उयेडमेहुडेविभुमेव  
 विभुप्रभुयेड॥३६॥भायपिडयविह  
 चंडभुएहिप्रयमुडि॥वृप्रुडेयेडकु  
 कलेवृहुभनएभुर॥३७॥भदक  
 वृभदकलेभदभरीभुडपय॥भै  
 वकलेभदभरीभैवभपिठवह  
 ए॥३८॥भुडिकेगडिहुडनंभैवकले

३८॥

मे.  
 भा.  
 १८



भनडनी॥ ठावकलेरु॥ ॐ भैवल  
 झीकडिपुदगदे॥ ३७॥ भैवाठवे  
 उषालझीविनमयेपरयेउ॥ भुड  
 भंउलिडापुपेपुपगडुदिकिमुष  
 द्दडडिडिउं॥ ३८॥ भुडभडिउं॥ उषासु  
 कभ॥ ३९॥ ॐ डिमीभकडेयपु  
 लभावलिकेभनुउरेदेवीभादडे  
 छलानकीडनंभनुदमेष्टायः॥ भ  
 डिठलकभडलठभंमडुउं॥ डि  
 लिमनं॥ पमकुममं॥ सुपंणगयेडी  
 मिवांठले॥ डिपदुभनभं॥ कपक  
 एहं॥ डिदलेभनपंडीडिनेइभ॥

२०॥

॥



संतिहृतीभठर॥ निरुक्तं पद्मवंती  
 पद्मभापीनभामि॥ छविमवाय॥ १०॥  
 मउडेकविउकु पदेवीभादाहुभउ  
 मभ॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥  
 देउएगाउ॥ २१॥ विमृउयेवविउये  
 कगवदिहृभायय॥ २२॥ उयहृमेधवे  
 मृमृउयय॥ २३॥ विवेकिनः॥ भिहृउमे  
 किउमैवभेदमेधृत्रियापे॥ २४॥ उभ  
 पेदिमदगएमर॥ २५॥ परमेसुरीभ  
 सुगणितार॥ २६॥ मेवठेगभनपव  
 नद॥ २७॥ भकडेयउवम॥ २८॥ उडि  
 उमुवयः॥ २९॥ भृगवः॥ ३०॥ भनगणिपः॥ ३१॥

ये  
 भा.  
 १५



श्रीं पद्मदत्तगोत्रमधिभंसितवृ  
 त्तमनिविलेतिमभदेनगृहपद  
 न्नमः॥३॥एगभमदृमुपमेममेवे  
 सुभदभने॥भद्वनरुमभुयन।  
 दीप्रलिनमंभितः॥४॥ममेवेसुमुप  
 मेपेदेवीमुक्तं परेणपन॥५॥उतिभ  
 दलिनमेवृः॥६॥प्रतिभदीमयीम  
 सुद॥७॥यत्तुमुमुः॥८॥उपपिउ  
 दलेः॥९॥निगदगेयतुनेउमनके  
 मभाफिते॥१०॥यदुमुगलिमेव  
 निरागाइमपुक्षितम॥११॥मवंमभा  
 गपयितेभूतिचैदतुने॥१२॥



परिउधुलमसुश्रीरहकंरदगधि  
 का॥०३॥मेवुवया॥०५॥पदुहमेवुय  
 दुपदुयमकुलनमन॥भउभुदुह  
 उंभचंपरिउधुममभिउउ॥०५॥भा  
 कडेयउवया॥०५॥उउवेवेनपगए  
 भविहंसुवृणमनि॥सुवेवमनिलंर  
 एरुउमइवलंवलण॥०५॥मिपिवै  
 सुभुउल्लनंवेवेनिचि॥भनम॥भ  
 मेहदमिउिधुल्लःभइविमुडिक  
 करकभा०५॥मीमेवुवया॥०५॥मले  
 रदेठिउपेउंभुगए॥५॥भुउठवना॥  
 दहगिउनभल्लिउंउवगए॥ठविपुडि

दे.  
 भा.  
 १०

३०१

३०॥



ॐ उच्चुयः भंश एनमेव द्विवभुतः  
 भावलि के भनत्र भनव क विठ विष्टि  
 वैष्टवदइयायसुवेर भुडि विष्टिः ३  
 उंयसु भिभं मिष्टु उवल्लनं विष्टि  
 भक्तेय उवया ॥ ३५ ॥ उतिरु उयेदेवीय  
 व किल पिउं वरभा ॥ वकुव उदिता भ  
 द्विष्टु उष्टु भक्तिभुता ॥ ३७ ॥ सर्वमेष्टु  
 वंल्लु भुगवः भनग पिपः ॥ सुदल्ल  
 नमभा भदु भावलि क विठ भनः ३८  
 भावलि क विठ भनः भुन ॥ ३९ ॥ ॥ ॥  
 उतिमी भक्तेय पगल्ल भावलि के भ  
 वुत्तु मेवी भानु भुगव वैष्टु ये वर पगल्ल

३३॥

३३॥

८॥

३५॥



नैव भद्रयेदमिष्टाय ॥ ०३ ॥ भद्रं भवतु  
 मडिक ॥ ॥ ॥ त्रिवर्गवय ॥ त्रिवर्ग  
 पश्चिमभुजमडिकमभुनिःसेधपम  
 पल्लविद्वानिमेधत ॥ कल्लविदे  
 मिककल्लमभमये ॥ कल्लविदे  
 वमिसाभुवेदमदीह ॥ भद्रं विदुष  
 ॥ वडीनवविदुषभुयसुडमिभुग  
 मिडरकिडेवभु ॥ सकभुयवकुव  
 नयमभुगी ॥ कल्लविदे ॥ त्रिवर्ग  
 मंगीविनपि ॥ येठवयवृभुडवदिदि  
 रंमुल्लैगष्टायभानकुवनभभुडेमु  
 गीडभ ॥ त्रिवर्गविनभुडरल्लुनी

मे.  
 भ.  
 ११



यौवक्यमिहःभगवैरपिकलकह  
म॥यःभट्टिकहगुपमुकगुहि  
कहृष्टाष्टमभट्टकगंमरदिहमु  
हं॥पद्मभनंमहृदयेकवडीभपभु  
भातःभविमुकविडहिकमहृवडी॥  
वहृवडंभयडवडुगकेमपमंगुहृव  
लीहडपनभुनदरमेकभ॥मुभं  
खलममनंभक्तभरदभुंभवेन  
भिमवंगीमवरभुनगीभ॥पुनकिंन  
वलडललिडेनभगुडीडंविहःपदप  
भक्तभिमंरुयेडि॥मुलीएनभुपरिद  
भवयंभिमहेभक्तभिमडेनडवेविह



श्रीरुवति ॥ वृद्ध ५ वृद्ध क म ध क म  
 कुलेयं भये म णि वि वि ण मः प उ र म  
 लः सु सु द म धु ग णि डि र ल यं र य डि  
 इ दू न म रु डि म द व द व भ ण यो ॥ म  
 द य ॥ १ डि क टि ले डि उ द र ॥ १ डि क  
 ट य नी डि क म ले डि क ल व डी ॥ म क  
 म डी रु ग व डी प र म क डे पि म रु सु मे  
 व रु वि ण च व न रु की व ॥ म रु म भि सु  
 भि य म गि रि ले उ दं नी व रु रु ये भु  
 म भि रु भि र न म रु प ॥ य रु वि क म म  
 प य भि य म उ दं नी रु व म रु प ग ॥  
 नः भु क री रु व ति ॥ रु ग य मे वि रु वं डी

मे.  
 भा.  
 १५



कडिनः५॥ धरु किङ्की कडभरेण  
गदः भदभः॥ मित्रु भः॥ ५५५  
कलिउकेलिमैलेकलदूभेपव  
नारवमिरंगरेते॥ दनुंइभेवठवभि  
इदपीनभीमेभंभारउपभपिलेद  
ययापमुनभ॥ वैकडनीकिर  
भेदडिरेवमक्राथदंनिलेमभयिउं  
निलयापिठधु॥ मक्रिः मगीरभपि  
देवभउगदुल्लनरियाकरभन  
भरुलभिमु॥ एमुदभायउनभाव  
र॥ निमदं किंउत्रयदुवभिदेविम  
मक्रुभेलेः॥ दुभेनिठडिदुडिउप



यमिश्रितिविष्टनलेभरुडिमरुड  
 डीउमरुडिः॥वेप्रीडियाःकिलक  
 लाःकलयत्रिविष्टुभंविष्टुउर  
 भभुपमंरुमीयभ॥सुनरुलक  
 भनरुडनभ्रिमेमेनरुडनपरि  
 ॥उंडवडुपभीमे॥प्रष्टुपिनभन  
 भपरिमीयभनेमेभ्रिनेरुभलि  
 लैः॥लकैसुष्टुः॥इंयद्रिकाम  
 मिनिडिरुमरुमोरुमिभुंइंयेडनभि  
 प्ररुषेपवनेरुलंरुभ॥इंभुमडुभि  
 भलिलेमिपिनिडुभुभुनिभुमरुभे  
 वनिपिलेरुमडेयमिभुड॥इंउी

दे.  
 भा.  
 १७



धियदि विमरत्रियमत्रुकिहं भुते पयं  
भियमदिचरं नीयण्डे ॥ यदुतिवयुर  
नलेयमं चिरभेउडुचमभुउवकेवल  
भल्लयेव ॥ यावदुं पयमभेएयुगं  
मीयं नलीकरेडिहं मयेपुलागमुगटे  
उवडिकलएलः ऊटिलप्रकर  
मुकगदः भभयिनं प्रलयं नयात्रि ॥  
यदेवयनपिहयनविदरभेकीह ॥  
इभनः करं भदुलमचकेभभा ॥  
यनेनिवेमुउवकरं पदकमुप ॥  
चपचडिनयत्रिनिलमनइभा ॥  
मुलाभप्रतिपुमदीप्रभाप्रभुतेः



५०



कडुवलप्रभा॥ किमिदवद्रुदिनके  
भुङ्कुपेपरेनःभकलएननिभाडःभ  
तुडेभविठडुभा॥ कनष्टकेभलक  
एहविगएभनेभंभाउगिनिमि  
वेभकलअरुद्रि॥ इंदेववद्रिउप  
दाभभगदिद्रुडेवगीसुगीभदभनउ  
गुंमयभि॥ कलडीडेकलभा  
लंभाभभगनिवेविडुभा॥ सुमेअ  
दाभमेअंयवएभिमरं॥ गिरभा॥  
णंरीविणंरीकलृ॥ नीणं॥ गं॥  
भद्रभाभा॥ सुवियेनिभनहुंयव  
मंहुंमरं॥ वृले॥ सुएं॥ गं॥ नीभभ



ॐ मद्रिगीयं वरं वेष्टं वरं वरं वि  
 याभा ॥ मनउनी मसिदन ननु पंभ  
 रभुंतीं मरं रपष्टे ॥ भक्तुयउव  
 य ॥ उतिमुष्टवभनेभृष्टुयद  
 पभयी ॥ भक्तभरभुंतीमेवीरेव  
 यवयनं मुठभ ॥ श्रीमेवृवय ॥ वरं व  
 रयठुंते कभलेदुवभरुउ ॥ मुष्टन  
 यभनेदेवभनेपंभभयगभउ ॥ वृष्टि  
 वय ॥ यमिमेविभभभिवरगसिच  
 रेपुगि ॥ भुठुंतीमेदिभेदुंरुववव  
 विभेगकभ ॥ मेवृवय ॥ सवभभुभ  
 कठगकभलेदुवभरिप ॥ भद्रुभय

मे  
 भा  
 १०



इवममनिमलवृद्धिमुते॥ भक्तम  
रमुतीभुक्तंयद्वाक्यंविष्टं॥ उभि  
रुतः॥ अतःपेभनिसाभयवमेभम॥ वि  
नभरमुतीभुक्तंदेवीयसुष्टिकं॥ प  
ठेत्॥ वक्रधनं॥ गतिंयत्तमपमप्रे  
उदरु॥ भ॥ निमलमुष्टिपुष्टि  
मभवकुनियत्तु॥ अ॥ पुनेनपठित  
देवीपद्मेष्टकभक्त॥ अथिरवय॥  
उदुक्तुचिभपेमेभक्तप्रवमरमुती  
वे॥ सुष्टियिष्टयंलिककलु॥ अ  
थि॥ श्रीविल्लुक्तवय॥ यमभनति  
भुनयः॥ अतः॥ अ॥ विष्टुतिंयंमुति



मन्त्रविद्वद्गुरुः ॥ उभयपक्षविद्वत्  
 मन्त्ररूपमयं देवीभक्तमन्त्रः ॥ मन्त्र  
 मन्त्रपद्ये ॥ मन्त्रमुवेष्टुवत्तवमन्त्र  
 कनिष्ठश्रीवत्तवमन्त्रमन्त्रिगुम्भ  
 ननि ॥ निष्ठुम्भमुत्तिगन्धमन्त्रम्  
 मन्त्रिगन्धमुत्तिगन्धमन्त्रम्  
 निति ॥ विष्टुम्भमुत्तिगन्धमन्त्रम्  
 लेष्टुम्भमुत्तिगन्धमन्त्रम्  
 ति ॥ निष्ठुम्भमुत्तिगन्धमन्त्रम्  
 विष्टुम्भमुत्तिगन्धमन्त्रम्  
 प्रविष्टुम्भमुत्तिगन्धमन्त्रम्  
 मन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रम् ॥

दे.  
 म.  
 ५३



वर्णिगुगद्गदपद्गिदपभउयेप  
मेउवभुवनेषुउएवएउः॥वहुंयद  
दुउभकिधुउयेरवटभुहुंनभेयदपि  
देविमिगःकगेति॥मेउसुयद्वयिपरय  
लभभुउनिकभृपिकैगपिकवउउ  
पिविमेधेः॥प्रललवलकुदगददि  
उरवनिनिठिदुधगमिएनिउदि  
ल्लेउव॥हुयेपिउरविमभिपूर्वभदले  
मुनिधुदभानपरभाभउउयेदुप॥द  
गुयदभदनभेकभनेकणउभगुःक  
एद्विणिगुगयंमकग॥णउउदभ  
हउदेविललएनेइंभट्टिहयेवभुऊ



लीदउभिदुभोलिः॥ अल्लउमभुवम  
 नकलिउववायेकिङ्ककपालिनम  
 वममभद्वितीयम॥ उचंकरगद  
 भङ्गउठवदःमभुंकावववुण्णिगि  
 गलकट्टे॥ यद्भुरंयमिवकभुवि  
 लेपनंयकिङ्कएनेयनएनेयपरीउ  
 दुभे॥ वेडलभंदडिपरिगदउयम  
 भुःमिंठिठडिगिरिएउवमदय  
 दउ॥ श्रीसुउलङ्गीसुउपडुचदेर  
 रेपवेनहाइ॥ कुपभसिनेयउम  
 उल्लभउध॥ मभउध॥ मचलि  
 कभदिध॥ गनुइरदुरण्डेनि

दे.  
 भा.  
 ५३



दृष्टुं कृती विभीम ॥ रं सुं गी भव कुडा  
 नं डी भिदि पदु ये मिय भ ॥ दधि रु व य ॥  
 उ डि भु ह व भ ने भु वि स्ते र भि उ डे ल भः ॥  
 श द कु ड भ ल ल क्री म दि धा भु र थ  
 डि नी ॥ ये व व य ॥ विय ड भी भि उ डे व  
 व र भूी क भ ल प डे ॥ द ह भ म ड उ व भ  
 पि उ व भु क व मी क ड ॥ मी क ग व र व  
 य ॥ य दि म भु भि मे मे वि व र भु क र  
 ग भ न ॥ ह ये व वि भ ल क डि भ  
 द भे भु क प भ यि ॥ कि डि भु के वि द  
 उ व क पि भि भु र व ड भ ॥ य ह भ म ड  
 भु म र वं क व भु न क य यि नी ॥ ये व व

॥



म॥ एवमसुमनःविष्णो कीर्तिमुक्त्वा  
 नपायिनी॥ अलङ्कारप्रतापेति मन्त्र  
 कवउभउम॥०१॥ मन्त्रलक्ष्मी अङ्क  
 मन्त्रेवैयस्यैति कं पठेत्॥ म  
 र्गगभीमउठवेद्यं विष्णुति  
 प्रकृतं॥०३॥ अङ्कमिच्छापि ।  
 विमलाभुपितामिद्विभुतम॥  
 यमृग्ममन्त्रेण उक्त्वा किंमङ्गि  
 मविष्णुति॥०५॥ इति मन्त्रकृतं  
 मन्त्रं विष्णुतं मन्त्रं॥ उवाच सुवि  
 मलकीर्तिः अङ्कप्रकाशकवतः  
 ॥७॥ इति मन्त्रम॥ इति मन्त्रं उवाच

मे.  
 भा.  
 उर



पेदेमलकीवरपुम नगय  
 नंलगडाधंभंरुवदुणच  
 प॥ ६॥ रिमीलकीभुक्तभा॥ श्री  
 भदमेवउवाम॥ रिभुक्तरीदि  
 पुगकभाकभिनीभाकधि  
 य॥ शुभेधामभटवमनाविभे  
 नभेनमिनी॥ ७॥ शुभउम  
 मकल्ल॥ लीकमष्टकम॥ क  
 ल॥ कलडीडकेभलाउःकम  
 ॥ विषुनयिक॥ ९॥ विप्रद  
 डीविप्रकडीविप्रमीविप्र  
 मयिनी॥ ३॥ रिपंडयेनिभुम

केभाटकेभनिलयकभसीकगभलिनी



मठेवमदुमापेयनी॥ पासादुम  
 दुविनीमभेदिनीभरुठलनी  
 ॥३॥ भरुपियाभरुगएकालक  
 लविनामिनी॥ कथुकलेमीकले  
 उभकल्यकल्यठाधिनी॥ ५॥  
 केभलानीविमभउयुगमीम  
 युगवृगी॥ वलविष्टविभेष्टम  
 भेदिनीभुभनीवरा॥ ७॥ सुभेष्ट  
 भटभल्लयभटभटनिवाभिनी॥  
 भटगभभटवदभटवसुरा  
 नपिया॥ १॥ मरीरवभिनीरभ  
 वभमवभमकि॥ ३॥ कपालक

म.  
 भा.  
 ३५



इलकलीकलिककलनसि  
नी॥ ३॥ गीउगीउप्रियागाउभु  
गीउगीउमालिनी॥ विमयेनि  
विमभाउ विमवतुदुपभयी  
॥ ७॥ ढधिरुवाम॥ उडिसुटव  
भनेभृमीमंठेसुलपारिणी॥ भ  
नकलीकलाडीउप्रियामवमने  
भरुडा॥ ०॥ मृदुवाम॥ भुउनया  
उभदेसभेउसेभभभानमं॥ वरं  
वरयनमेउपुऊनारुपिके मि  
व॥ मीमिवउवाम॥ उवभलाभ  
ममेविरायउंठजिनुउभा एव



भववर्द्धयः पुण्ड्रिभेदपालके  
 ०१॥ देवदाम॥ नवमभिरिद्धेयम  
 भुञ्जतेपावनंकिञ्चि॥ मरुतंरुविज  
 देवमवभिरिद्धिविणयकं॥ ०२॥ भ  
 ककालीभुजभउपठकप्रमती  
 यमि॥ मरुतंनरकंममृअट्टमे  
 हृदुतंमिव॥ ०३॥ मृदुमृयउंम  
 वमप्रमट्टः फलंलठेउ॥ यभ्रम  
 रलभाउलरुदुदकयंरुणेउ  
 ०४॥ उडिमीकलीभुजभा॥ उधि  
 रुवम॥ रुमेनप्रणयेरुवीप्रष्ट  
 यंरुमरुकिले॥ मष्टेमप्रणयेरु

दे.  
 भा.  
 ३०



पदेवीभाद्रदितायवै॥०॥२॥  
भृष्टमिडंलकीताभमीसइत  
मिनी॥भदभृतिरुमैपूनभिदि  
प्रएविठभूलं॥७॥२॥भद्रल  
एदेवीमउदभृभृभृभृभृ॥सु  
दृष्टवभंयजप्रंमैयभृयत्र  
उः॥७॥उभैभद्रलउंदेवीमंदि  
कंपरभैसगी॥सधृभभयभंय  
जंप्रणयेउविमकलः॥४॥भ  
दभंरुलएदेवीपूनभृतिःसुठ  
रतिः॥सुदृष्टवभंयजंमैष्टः  
प्रंउकरयेता॥५॥प्रणमैप्रण



यैश्चैव उत भुक्ति मुक्तिश्च ॥ ५ ॥  
 प्रणयैश्च प्रणयैश्च ॥ ६ ॥  
 ॥ ७ ॥ प्रणयैश्च प्रणयैश्च ॥ ८ ॥  
 के उत भुक्तिश्च ॥ ९ ॥  
 प्रणयैश्च प्रणयैश्च ॥ १० ॥  
 भुक्तिश्च प्रणयैश्च ॥ ११ ॥  
 प्रणयैश्च प्रणयैश्च ॥ १२ ॥  
 भुक्तिश्च प्रणयैश्च ॥ १३ ॥  
 प्रणयैश्च प्रणयैश्च ॥ १४ ॥  
 भुक्तिश्च प्रणयैश्च ॥ १५ ॥  
 प्रणयैश्च प्रणयैश्च ॥ १६ ॥  
 भुक्तिश्च प्रणयैश्च ॥ १७ ॥  
 प्रणयैश्च प्रणयैश्च ॥ १८ ॥  
 भुक्तिश्च प्रणयैश्च ॥ १९ ॥  
 प्रणयैश्च प्रणयैश्च ॥ २० ॥

三  
三  
三



गृहं एतन्न वलिउं ॥ ०० ॥ उक्तं च कथं  
 उक्तं विप्रमीरुपमं सुगि यथा  
 भूयः मनो मे जा उपेयं लुखिया ।  
 मिथु ॥ त्रुनेमं प्रलुउं याउ प्रभम  
 द्रुमं सुगि ॥ ०० ॥ भद्रुनीनेरिया  
 कीनेठजिनीनेमं सुगि ॥ यमुता  
 मिमया मे विउभां वं वरमा कय ॥  
 ॥ ०१ ॥ सुवाकनं मप्र एमं द्रुमा क  
 कं एपं उय ॥ विमलनेन एनामि  
 मं ठिके वं कभम ॥ ०३ ॥ कभे सु  
 रिणगम उभां विमं नेम विगुले  
 गल ॥ ०४ ॥ मिमं भवं प्रमीरु कमा



三  
甲  
三



